नई दिल्ली ■ मंगलवार 16 दिसंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 258 ■ पृष्ठ 08

जनभावना टाइम्स

JBT www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 हकीकत में कितनी गहराई है नैनी झील की? | 07 एडिलेड ओवल में तीसरा एशेज टेस्ट बुधवार से | बच्चों को सोशल मीडिया और मोबाइल से दूर रखना जरूरी: सोनाक्षी सिन्हा 08

दिल्ली-एनसीआर में AQI 500 पार

घनी धुंध की चादर से दृश्यता 100 मीटर तक सिमटी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कुछ दिनों की राहत के बाद सोमवार को वायु प्रदूषण एक बार फिर बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। दोपहर 12 बजे दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 500 या उससे अधिक दर्ज किया गया, जिससे राजधानी एक बार फिर गंभीर प्रदूषण की चपेट में आ गई।

ठंड बढ़ने और हवा की रफ्तार कमजोर पड़ने के कारण प्रदूषण के सूक्ष्म कण वातावरण में लंबे समय तक बने हुए हैं। सुबह और रात के समय घनी धुंध की चादर छाई हुई है। तड़के सुबह 2:30 बजे विजिबिलिटी करीब 100 मीटर दर्ज की गई थी, लेकिन सुबह 6:30 बजे तक यह घटकर 50 मीटर रह गई। सड़कों पर चल रहे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और कई जगह यातायात भी प्रभावित हुआ। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार हवा की गति बेहद कमजोर रहने के कारण प्रदूषित हवा का फैलाव नहीं हो सका। सुबह के समय दक्षिण पश्चिम दिशा से 4 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जो प्रदूषण को कम करने में नाकाम रहीं। केंद्रीय प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड(सीपीसीबी) के मुताबिक राजधानी के

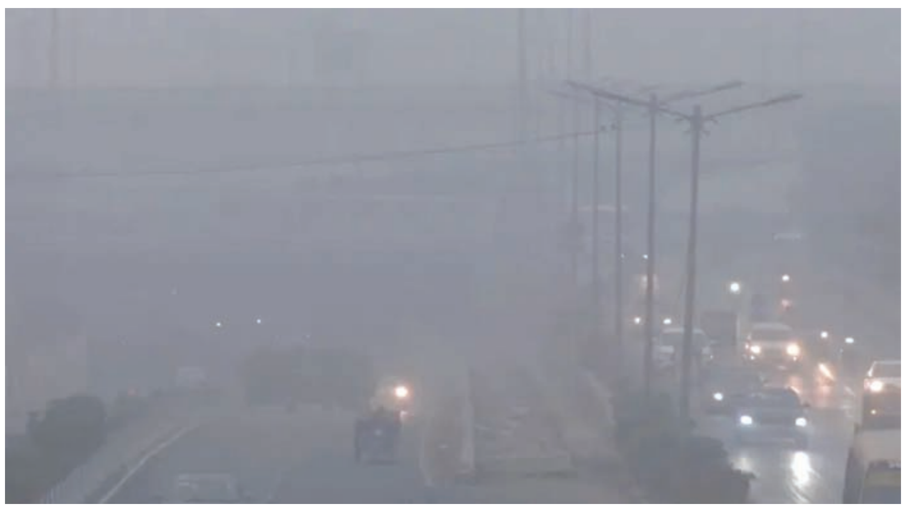

लगभग सभी हिस्सों में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। आनंद विहार में औसत एक्यूआई 490 दर्ज किया गया, जहां पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों का अधिकतम स्तर 500 तक पहुंच गया। अशोक विहार में औसत एक्यूआई 491 रहा। बवाना में 441, बुराड़ी में 452 और चांदनी चौक में 434 दर्ज किया गया। दिलशाद गार्डन में औसत एक्यूआई 453, आईटीओ में 454 और जहांगीरपुरी में 494 रिकॉर्ड किया गया। मुंडका में 457, नरेला में 455 और रोहिणी में औसत एक्यूआई 500 दर्ज किया गया। सोनिया विहार में 463 और वजीरपुर में 495 का स्तर रिकॉर्ड किया गया।

लगभग सभी इलाकों में पीएम 2.5 और पीएम 10 की मात्रा खतरनाक सीमा से ऊपर बनी हुई है। दिल्ली से सटे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 477, संजय नगर में 426 और वसुंधरा में 490 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। नोएडा के सेक्टर 125 में एक्यूआई 461, सेक्टर 62 में 420 और सेक्टर 116 में 484 रिकॉर्ड किया गया। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क 5 इलाके में एक्यूआई 452 रहा। इससे साफ है कि पूरा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र प्रदूषण की चपेट में है और हालात दिन प्रतिदिन गंभीर होते जा रहे हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक 15 दिसंबर को दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, लेकिन सुबह के समय अधिकतर इलाकों में हल्का और कुछ स्थानों पर मध्यम कोहरा छाया रह सकता है। राजधानी में अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री तक ज्यादा रह सकता है। 16 दिसंबर को भी मौसम में खास बदलाव की संभावना नहीं है, हालांकि दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 25 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे प्रदूषण में कुछ हद तक राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। डिसीजन सपोर्ट सिस्टम फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट इन दिल्ली (डीएसएस) के अनुसार, 15 दिसंबर को राजधानी में प्रदूषण में यातायात की हिस्सेदारी 11.78 फीसदी रही। उद्योगों से 5.96 फीसदी, विनिर्माण से 1.62 फीसदी, सड़क किनारे मिट्टी से 1.62 फीसदी और आबादी से जुड़ी गतिविधियों से 2.9 फीसदी प्रदूषण दर्ज किया गया। अन्य स्त्रोतों की हिस्सेदारी करीब 32 फीसदी रही है।

प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार सख्त, ग्रैप की पाबंदियों को सख्ती से लागू करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने ग्रैप की सभी पाबंदियों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ प्रदूषण को कम करने के उपायों को लागू करने पर जोर दिया। सोमवार को केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस संबंध में गाजियाबाद और नोएडा में वायु प्रदूषण से निपटने के उद्देश्य से बनाई गई कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की। एनसीआर में शहर-विशिष्ट कार्य योजनाओं पर समीक्षा बैठकों की श्रृंखला के हिस्से के रूप में यह पहली समीक्षा थी, जिसका समापन आने वाले दिनों में राज्य-स्तरीय समीक्षा के साथ होगा। बैठक में दोनों शहरों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई पर विस्तृत प्रस्तुतियां दी गईं।

NIA ने पहलगाम आतंकी हमले के मामले में आरोपपत्र किया दाखिल

जम्मू। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मामले में सोमवार को सात आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, जिनमें पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटीटी) और उसके मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के सदस्य और पड़ोसी देश में मौजूद उनका आका भी शामिल हैं।

आरोपपत्र में पाकिस्तान की साजिश, आरोपियों की भूमिका और मामले को साबित करने में सहायक साक्ष्यों का विस्तृत विवरण दिया गया है और इसमें प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ को पहलगाम हमले की साजिश रचने, साजो-सामान मुहैया कराने और उसे अंजाम देने में उसकी भूमिका के लिए एक कानूनी इकाई के तौर पर आरोपित किया गया है। पहलगाम हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय टट्टू संचालक मारे गए। आतंकवाद रोधी एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान में बैठे आका साजिद जट्ट को भी जम्मू स्थित विशेष एनआईए न्यायालय में दाखिल 1,597 पृष्ठों के आरोपपत्र में बतौर आरोपी नामजद किया गया है। एनआईए द्वारा दाखिल आरोप पत्र में उन तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों के नाम भी शामिल हैं, जिन्हें घातक आतंकी हमले के 99 दिन बाद 29 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम में 'ऑपरेशन महादेव' के दौरान सेना ने मार गिराया था।

तीनों की पहचान फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान शाह, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। एनआईए ने अपने आरोपपत्र में आरोपियों के खिलाफ भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की धारा भी लगाई है। बयान के मुताबिक, एनआईए ने लगभग आठ महीने तक चली विस्तृत वैज्ञानिक जांच के माध्यम से पता लगाया कि इस पूरी साजिश के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं, जो भारत के खिलाफ आतंकवाद को लगातार प्रायोजित कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पंजाबः अज्ञात बंदूकधारियों ने कबड्डी खिलाड़ी को गोली मारी, हुई मौत

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली में गैंगस्टरों ने कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी एवं स्पोर्ट्स प्रमोटर की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सोमवार की शाम मोहाली के गांव सोहना में उसे समय हुई, जब यहां कबड्डी के मैच चल रहे थे। हमले की जिम्मेदारी बंबीहा गैंग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से ली है। मृतक कबड्डी खिलाड़ी राणा बलचौरिया की 10 दिन पहले ही शादी हुई थी। मोहाली के सेक्टर 82 स्थित एक खेल के मैदान में वैदवान स्पोर्ट्स क्लब सोहाना की तरफ से कबड्डी मैच करवाया जा रहा था।कबड्डी प्रमोटर राणा बलाचौरिया उर्फ दिग्विजय सिंह उस समय मैदान में थे तभी मोटरसाइकिल सवार तीन नौजवान वहां पर आए और उन्होंने राणा बलाचौरिया के साथ सेल्फी ली। नौजवानों ने मौका पाकर राणा पर फायरिंग कर दी।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले ईवीएम जांच को नियुक्त किए पांच नोडल अधिकारी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने अगले साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारी के तहत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की पहली स्तर की जांच के लिए पांच नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। आयोग ने साफ किया है कि सभी अधिकारी दूसरे राज्यों से लिए गए हैं, ताकि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। आयोग के बयान के अनुसार, ये सभी अधिकारी ईवीएम की पहली स्तर की जांच के दौरान अलग-अलग केंद्रों पर पर्यवेक्षक की भूमिका निभाएंगे। ये अधिकारी हैं- अरुणाचल प्रदेश की उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी शानिया कायेम मिजे, महाराष्ट्र के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी योगेश गोसावी, मेघालय के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी पीके बोरो, मिजोरम की संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी एथेल रोथांगपुई और चुनाव आयोग के अवर सचिव कनिष्क कुमार।

भाजपा ने अपने सांसदों को अगले पांच दिनों के लिए जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह में सोमवार को संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू होते ही जमकर हंगामा हुआ। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सभी सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। भाजपा ने अपने सभी सांसदों से उन्हें 15 दिसंबर से 19 दिसंबर तक सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि इस दौरान कई अहम विधेयक सदन में पेश किये जाएंगे। शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर तक चलना है।

दिल्ली विस्फोटः शोएब और नसीर बिलाल की NIA हिरासत 4 दिन बढ़ी

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अंजु बजाज चांदना ने लाल किला के पास विस्फोट मामले के आरोपितों शोएब अली और डॉ. नसीर बिलाल मल्ला की एनआईए हिरासत चार दिनों के लिए बढ़ा दी है। शोएब और डॉ. नसीर की एनआईए हिरासत आज खत्म हो रही थी, जिसके बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 5 दिसंबर को शोएब को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था। कोर्ट ने 9 दिसंबर को डॉ. नसीर को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था। शोएब फरीदाबाद का रहने वाला है। उस पर आरोप है कि उसने विस्फोट कराने वाले आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी को पनाह दी थी। नसीर जम्मू-कश्मीर के बारामूला का रहने वाला है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अभी तक इस मामले में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित फिलहाल हिरासत में हैं।

नितिन नबीन ने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे। उन्होंने नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का स्वागत कर उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाया।

इसके बाद भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने मुख्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की। नितिन नबीन शाम चार बजे मुख्यालय पहुंचे, जहां उनका स्वागत महासचिव तरुण चुग, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के कई मंत्रियों, दुष्यंत गौतम और कई वरिष्ठ नेताओं ने किया।

पटना से प्रस्थान करते समय मीडिया से बातचीत में नितिन नबीन ने बिहार और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और राष्ट्रीय स्तर पर इस पद तक पहुंचने का श्रेय उनके आशीर्वाद को दिया।

यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा मिलेगा: जॉर्डन पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी

अम्मान। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि जॉर्डन की उनकी यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देगी। वह तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण के तहत अम्मान पहुंचे।

दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का एक विशेष संकेत देते हुए, जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने हवाई अड्डे पर मोदी की गर्मजोशी से अगवानी की और फिर उनका रस्मी स्वागत किया गया। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अम्मान पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए जॉर्डन के हाशमी साम्राज्य के प्रधानमंत्री जाफर हसन का शुक्रगुजार हूं। मुझे विश्वास है कि यह यात्रा हमारे देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देगी। जॉर्डन की यह पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा 37 वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है और ऐसे वक्त हो रही है, जब दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष हो रहे हैं। मोदी के तीन देशों के चार दिवसीय दौरे का पहला पड़ाव जॉर्डन है। इसके बाद वह

इथियोपिया और ओमान भी जाएंगे। जॉर्डन के प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज जॉर्डन में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक सम्मानित अतिथि के रूप में स्वागत करना हमारे लिए सम्मान की बात है।

यह यात्रा हमारे 75 वर्षों के घनिष्ठ और स्थायी संबंधों को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि हम दोनों देशों के बीच विशेष रूप से आर्थिक, निवेश और तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग के नए आयाम तलाशने के इच्छुक हैं। मोदी के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने उनका अभिवादन किया और भारत से मित्रों और परिवारजनों की ओर से शुभकामनाएं दीं। स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक भारतीय नृत्य प्रस्तुत किए, जो देश की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित कर रहे थे। मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि अम्मान में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए हार्दिक स्वागत से मैं अत्यंत प्रभावित हुआ। उनका स्नेह, भारत की प्रगति पर गर्व और मजबूत सांस्कृतिक बंधन भारत तथा प्रवासी भारतीयों के बीच अटूट संबंध को दर्शाते हैं।

भारत-जॉर्डन रिश्तों को सुदृढ़ करने में प्रवासी भारतीयों की निरंतर भूमिका के लिए भी मैं आभारी हूं। मोदी आज बाद में शाह अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन से बातचीत करेंगे, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। प्रधानमंत्री और शाह के मंगलवार को भारत-जॉर्डन व्यापार कार्यक्रम को संबोधित करने की उम्मीद है, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख व्यवसायी शामिल होंगे। मोदी जॉर्डन में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे और देश के युवराज के साथ पेत्रा शहर का दौरा करेंगे, जो भारत के साथ प्राचीन व्यापारिक संबंधों को साझा करने वाला एक ऐतिहासिक शहर है।

पंजाब पुलिस ने मुंबई से दबोचे बीकेआई के दो आतंकी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े गैंगस्टर से आतंकवादी बने दो व्यक्तियों को मुंबई से गिरफ्तार किया।

सोमवार को पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान साजन मसीह निवासी वेरोके, गुरदासपुर और सुखदेव कुमार उर्फ मनीष बेदी निवासी लाहौरी गेट, अमृतसर के रूप में हुई है। दोनों बड़े अपराधिक पृष्ठभूमि वाले आरोपित हैं और उनके खिलाफ बटाला और अमृतसर के विभिन्न थानों में हत्या, इरादतन कत्ल, हथियारों एवं विस्फोटक पदार्थों से संबंधित और गैर-कानूनी गतिविधियां (निवारण) एक्ट (यूएपीए) के तहत कई मामले दर्ज हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपित पाकिस्तान आधारित आईएसआई-समर्थित हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा और अमेरिका आधारित बीकेआई-ऑपरेटिव हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया (हिरासत में) के अहम साथी थे। उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपी दुबई और आर्मेनिया सहित विदेशी स्थानों से काम कर रहे थे और पंजाब में अपराधिक एवं आतंकवादी गतिविधियां अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे। डीजीपी ने इसे पंजाब पुलिस की बड़ी सफलता बताया। पंजाब पुलिस द्वारा विदेशों में शरण लेने वाले विभिन्न वांछित अपराधियों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) और रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए हैं, जिसकी वजह से इन दोनों अपराधियों को ट्रैक करने में मदद मिली।

डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोषी बीकेआई से जुड़े एक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो अमृतसर और बटाला के कई थानों पर ग्रेनेड हमलों और जौड़ीआं कलां के हरदीप सिंह तथा डेरा बाबा नानक के किराना स्टोर मालिक रवि कुमार की हत्याओं के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने आगे बताया कि दोषी साजन मसीह एक अन्य मुख्य सहयोगी शमशेर शेरा उर्फ हनी, जो इस समय आर्मेनिया में रह रहा है, के भी संपर्क में था। एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के घनिष्ठ सहयोग से प्राप्त जानकारी पर कार्रवाई करते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर और काउंटर इंटेलिजेंस, पठानकोट की एक संयुक्त टीम तुरंत मुंबई रवाना हुई और जैसे ही दोनों अपराधी मुंबई पहुंचे, उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी संत डॉ. रामविलास वेदांती का निधन

रीवा। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के अग्रणी संतों में शुमार, पूर्व सांसद और प्रसिद्ध कथावाचक डॉ. रामविलास दास वेदांती महाराज का निधन हो गया। उन्होंने 67 वर्ष की आयु में मध्य प्रदेश के रीवा स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में सोमवार को उपचार के दौरान अंतिम सांस ली।

उनके उत्तराधिकारी महंत राघवेश दास वेदांती ने इसकी पुष्टि की है। महंत राघवेश दास ने बताया कि महाराजजी का पार्थिव शरीर आज अयोध्या लाया जा रहा है। उनकी अंतिम यात्रा का जुलूस हिंदू धाम से मंगलवार सुबह निकलेगा और राम मंदिर तक जाएगा। सरयू तट पर सुबह 8 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महाराज जी 10 दिसंबर को दिल्ली से रीवा पहुंचे थे। यहां भटवा गांव में उनकी रामकथा चल रही थी। यह कथा आगामी 17 दिसंबर तक चलनी थी, लेकिन इसी बीच उनकी तबीयत बिगड़ गई और पिछले दो दिनों से उनका इलाज रीवा में ही चल रहा था। महंत राघवेश दास ने बताया कि सोमवार सुबह उनकी हालत अचानक ज्यादा गंभीर हो गई। उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाने की तैयारी थी। इसके लिए दिल्ली से एयर एम्बुलेंस भी रीवा पहुंच गई थी, लेकिन घने कोहरे के कारण वह लैंड नहीं कर सकी। दोपहर 12:20 बजे उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही रीवा जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। अस्पताल परिसर में उनके भक्तों का तांता उमड़ पड़ा है।

पीयूष गोयल तमिलनाडु और बैजयंत पांडा असम के चुनाव प्रभारी नियुक्त

नई दिल्ली। आगामी 2026 विधानसभा चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दो राज्यों के चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारी की घोषणा की है।

भाजपा ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को तमिलनाडु और बैजयंत पांडा को असम चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। तमिलनाडु में गोयल के साथ अर्जुन राम मेघवाल और मुरलीधर मोहिल को सह प्रभारी

बनाया गया है। वहीं असम में सुनील शर्मा और दर्शना जारदोश सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी किए गए लेटर के मुताबिक, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल चुनाव प्रभारी बनाए गए हैं। जबकि असम विधानसभा चुनाव के लिए यह जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा को सौंपी गई है। उल्लेखनयी है कि अगले साल दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे।

संजय सरावगी बने बिहार भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में संगठनात्मक स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए दरभंगा शहरी क्षेत्र से छह बार के विधायक एवं पूर्व राजस्व एवं

भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी को बिहार प्रदेश का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह दरभंगा सदर विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक हैं। संजय सरावगी अब निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल का स्थान लेंगे। उनके प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की औपचारिक घोषणा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के हस्ताक्षर से जारी पत्र के माध्यम से की गई है।

विद्युत विभाग के खिलाफ किसानों का हल्ला बोल

81 गांवों के किसानों ने मुख्य अभियंता कार्यालय पर की महापंचायत, डूब क्षेत्र में कनेक्शन न मिलने से खफा, फोर्स तैनात

नोएडा। नोएडा के डूब क्षेत्र (पुश्ता क्षेत्र) में बिजली कनेक्शन न मिलने से दर्जनों कॉलोनियां अंधेरे में डूबी हुई हैं। इस मुद्दे को लेकर सोमवार को भारतीय किसान परिषद के बैनर तले 81 गांवों के किसान और कॉलोनीवासी सेक्टर-16 स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंचे और महापंचायत करते हुए धरना प्रदर्शन शुरू किया। किसानों ने मार्च निकालते हुए कार्यालय तक पहुंचकर बिजली विभाग के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

मौके पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। समाचार लिखे जाने तक धरना जारी था। प्रदर्शन कर रहे किसानों का आरोप है कि डूब क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है, लोगों से 15 से 20 रुपये प्रति यूनिट तक वसूले जा रहे हैं। इसके बावजूद स्थायी विद्युत कनेक्शन नहीं दिए जा रहे। किसानों का कहना है कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने बताया कि पुश्ता क्षेत्र में 45 से अधिक कॉलोनियां बसी हुई हैं, यहां पर घरों की रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है।

यही नहीं सड़क, पानी और नालियों जैसी सुविधाएं मौजूद हैं, लेकिन इसके बावजूद बिजली कनेक्शन से लोगों को वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि डूब क्षेत्र में तीन लाख से अधिक आबादी निवास करती है। परिषद के अनुसार, नवंबर माह में सोहरखा गांव में आयोजित महापंचायत में ही प्रशासन को चेतावनी दी गई थी कि यदि बिजली समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। किसानों और स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि डूब क्षेत्र में वैध तरीके से स्थायी विद्युत कनेक्शन दिए जाएं, अवैध वसूली पर रोक लगे और बिजली विभाग स्पष्ट नीति के तहत समस्या का समाधान करे।

संक्षिप्त खबरें

जलवायु प्रेरित शहरी खतरों पर चर्चा

नोएडा। सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में सोमवार को जलवायु-प्रेरित शहरी खतरों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के प्रोफेसर धीरज मोहन बनर्जी ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न शहरी खतरों की समय रहते पहचान आवश्यक है। इस दौरान विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के 45 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

औद्योगिक विकास मंत्री की समीक्षा बैठक स्थगित

नोएडा। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता की 17 दिसंबर को नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर में होने वाली समीक्षा बैठक कुछ वजहों से स्थगित हो गई है। प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि अब यह बैठक बाद में होगी। बैठक को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। सीईओ ने कामकाज से संबंधित बुकलेट भी तैयार करने के निर्देश दे दिए थे।

नोएडा: संदिग्ध परिस्थितियों में दो किशोर लापता

नोएडा। सेक्टर 39 थानाक्षेत्र से दो किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। थाने में दी शिकायत में सदरपुर निवासी लवली ने बताया कि इसी माह 10 दिसंबर को सुबह सवा आठ बजे के करीब उनका 14 वर्षीय बेटा रजनीश अपने दोस्त 17 वर्षीय आदित्य के साथ घर से निकला। दोनों अभी तक घर वापस नहीं आए हैं। महिला ने बेटे और उसके साथी के साथ अनहोनी होने की आशंका भी जताई है। किशोर की बरामदगी के लिए पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर दी गई है। उसके घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

आगंतुकों को ब्रश करने की सही तकनीक बताई

ग्रेटर नोएडा। शारदा विश्वविद्यालय के दंत विज्ञान संकाय द्वारा मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने लिए सेक्टर-137 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क में शिविर आयोजित किया गया। आगंतुकों को मुफ्त दंत परामर्श दिया गया। टीम ने नियमित दंत जांच के महत्व और ब्रश करने की सही तकनीक के बारे में बताया। डीन डॉ. हेमंत ने कहा कि अगर मुंह ही साफ नहीं रहेगा तो स्वास्थ्य संबंधी अलग-अलग तरह की दिक्कतें हो सकती है।

वाहनों की नई सीरीज जारी होगी

नोएडा। निजी वाहनों की नई सीरीज यूपी16एफके दो से तीन दिन में जारी होगी। सीरीज जारी होने के साथ ही वाहन मालिक सामान्य पसंदीदा नंबर बुक कर सकेंगे। वहीं, सीरीज के आकर्षक और अति आकर्षक नंबर की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए अगले दिन परिवहन विभाग की वेबसाइट पर पंजीकरण करा सकेंगे। परिवहन विभाग के अनुसार वर्तमान सीरीज के लगभग 9300 नंबर बुक हो चुके हैं।

ग्रेटर नोएडा के हाईवे पर भिड़े 20 वाहन, कई लोग घायल

ग्रेटर नोएडा। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह घने कोहरे के कारण ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। गलगोटिया विश्वविद्यालय और दादूपुर गांव के पास हुए इस हादसे में करीब 20 वाहन आपस में टकरा गए, जिनमें कैंटर, पिकअप वाहन और कई कारें शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे एक ट्रक की रफ्तार अचानक कम हो गई। घने कोहरे के कारण पीछे से आ रहे वाहन समय रहते ब्रेक नहीं लगा सके और एक के बाद एक कई वाहन आपस में भिड़ते चले गए। हादसे के दौरान एक कैंटर में लदे आलू सड़क पर फैल गए, जिससे किसान को भारी नुकसान हुआ है। टक्कर इतनी तेज थी कि अधिकांश वाहनों का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसके बाद

कारों में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। लोग अपने वाहन छोड़कर जान बचाने के लिए एक्सप्रेसवे के किनारे भागते नजर आए। हादसे की सूचना मिलते ही दनकौर पुलिस और एक्सप्रेसवे कर्मी मौके पर पहुंचे। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया गया, यातायात को धीरे-धीरे सामान्य किया गया, घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई, सभी घायलों को मामूली चोटें लगी हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी बेहद कम थी, इसी वजह से वाहन चालकों को आगे की स्थिति का सही अनुमान नहीं लग सका और यह दुर्घटना हुई। दनकौर पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि कोहरे के दौरान धीमी गति से वाहन चलाएं, आगे-पीछे पर्याप्त दूरी बनाए रखें और फॉग लाइट और इंडिकेटर का प्रयोग करें। आपको बता दें गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने शनिवार को ही ठंड में कोहरे के चलते एक्सप्रेस-वे, हाईवे के लिए स्पीड लिमिट भी निर्धारित कर दी थी।

थाना दादरी क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने महिला के कान के कुंडल छीने

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र से बाइक सवार दो बदमाशों ने राह चलती एक महिला के कान का कुंडल छीन लिया। पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्जकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि अनीता पत्नी चुन्नीलाल सुंदर वाली गली बिसाहड़ा रोड दादरी में रहती हैं। महिला के अनुसार रात के समय वह जा रही थी तभी बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए। एक बदमाश ने पीछे से उनके कंधे पर हाथ मारा तथा उनके कान के दोनों कुंडल छीनकर भाग गया। महिला के अनुसार जब तक वह समझ पाती बदमाश वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि बदमाश काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे। महिला के अनुसार इस घटना से वह काफी भयभीत है। इस बाबत थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले हैं। जल्द ही बदमाशों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जारचा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिसाहड़ा रोड पर स्थित एक फैक्ट्री में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में उसने विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री से उठती आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह फैक्ट्री कूलर निर्माण के कार्य से जुड़ी हुई थी, जहां बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, मोटर, पैकिंग सामग्री और अन्य ज्वलनशील सामान रखा हुआ था। आग लगते ही फैक्ट्री में मौजूद कच्चा और तैयार माल जलकर खाक हो

गया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, आग से फैक्ट्री को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर विभाग को अवगत कराया। सूचना पर फायर विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, क्योंकि फैक्ट्री में रखा ज्वलनशील सामान आग को और भड़काने का काम कर रहा था।

फायर विभाग से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, आज दिनांक 15 दिसंबर 2025 को थाना जारचा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिसाहड़ा, दादरी स्थित कंपनी एस्ट्रोनेंस कूलिंग सॉल्यूशंस में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल विभाग की तत्परता से आग को पूरी तरह बुझा दिया गया और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। गनीमत यह रही कि घटना के समय फैक्ट्री में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस और फायर विभाग की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

एमिटी स्कूल के पास 30 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के एमिटी स्कूल के पास 30 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव लहूलुहान अवस्था में मिला है। पुलिस को आशंका है कि उक्त व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत हुई है। वहीं आसपास के लोग इसे हत्या का मामला बता रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र स्थित एमिटी स्कूल के फुटओवर ब्रिज के पास एक 30 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का लहूलुहान अवस्था में शव सड़क किनारे पड़ा मिला है। उन्होंने बताया कि राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उक्त व्यक्ति की मौत सड़क हादसे के चलती हुई है। उन्होंने बताया कि फुट ओवर ब्रिज के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की सहायता से पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं मौके पर एकत्र भीड़ में से लोगों का कहना रहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उक्त व्यक्ति की हत्या कर शव को यहां पर फेंका गया है। पुलिस सभी पहलुओं के ध्यान में रहकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

खाटू श्याम दर्शन करने गए भक्त के घर चोरी

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-49 में रहने वाला एक व्यक्ति अपने परिवार सहित खाटू श्याम बाबा का दर्शन करने गया था। इसी बीच अज्ञात चोरों ने उसके घर का ताला तोड़कर घर में रखा हुआ लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात, कीमती घड़ियां, इलेक्ट्रॉनिक सामान और कार को चोरी कर लिया। बताया जा रहा है कि चोरों ने घर से सामान चोरी करने के बाद बदमाश पीड़ित के कार में ही सामान भरकर फरार हुए है। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि जगदीश कपूर नामक शख्स ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-49 के डी स्थित एक मकान में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार वह अपने परिवार सहित खाटू श्याम के दर्शन करने के लिए गए थे। उन्होंने बताया कि पीड़ित जब 14 दिसंबर की रात को वापस आया तो उन्होंने देखा कि अज्ञात चोरों ने उसके घर का ताला तोड़ दिया है। घर के अंदर जाने पर पता चला कि चोरों ने घर में रखी हुई एलईडी टीवी, नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, राडो एवं अन्य ब्रांड की कीमती घड़ियां और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि चोर चोरी करके जाते हुए उनके घर में खड़ी उसकी ब्रावो कार भी चोरी कर ले गए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जीवनशैली में पोषण का महत्व बताया

ग्रेटर नोएडा। जिम्स और फिजीशियन एसोसिएशन फॉर न्यूट्रीशन के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष सीएमई (कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन) का आयोजन किया गया। इसमें साक्ष्य आधारित पोषण के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सकों, मेडिकल शोधकर्ताओं और डॉक्टरों ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रस्तुतिकरण, केस स्टडी पर चर्चा और प्रशिक्षण जैसी कई गतिविधियां आयोजित की गईं।

रोडरेज में मां-बेटे के साथ मारपीट, मुकदमा दर्ज

दादरी। कोतवाली क्षेत्र में रोडरेज के चलते मां बेटे के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। कार सवार एक युवक ने ट्रक चालक उसके मालिक व एक अन्य पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हरियाणा के बदरोला गांव के रोहित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। रोहित ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह अपनी मां के साथ किसी काम से दादरी क्षेत्र के एक गांव में जा रहे थे। जब वह नेशनल हाईवे पर पहुंचे तो ट्रक के चालक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। रोहित ने विरोध जताया तो आरोपी चालक ने फोन कर अपने मालिक व अन्य लोगों को बुला लिया। इसके बाद रोहित के साथ मारपीट की।

ग्रेटर नोएडा: शिव शक्ति अपार्टमेंट में आवारा कुत्तों का आतंक, बुजुर्ग महिला के पैर को बुरी तरह काटा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर एमयू 2 स्थित शिव शक्ति अपार्टमेंट में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को पार्क में टहल रही एक बुजुर्ग महिला आवारा कुत्तों का शिकार बन गई, जिन्होंने उनके पैर को बुरी तरह काट लिया। कुत्तों ने उनके पैर का मांस तक बाहर निकाल दिया। इस घटना से स्थानीय निवासियों में भय और आक्रोश का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला सोमवार की सुबह शिव शक्ति अपार्टमेंट के पास बने पार्क में सैर करने गई थीं। इसी दौरान, आवारा कुत्तों के एक झुंड ने उन पर अचानक हमला कर दिया। कुत्तों ने महिला के पैर को नोंच डाला, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। आसपास के लोगों ने शोर मचाकर

महिला को कुत्तों से बचाया और तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। निवासी धर्मेंद्र राठी का कहना है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को बार-बार सूचित करने के बाद भी अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि महिला 1645 नंबर के फ्लैट में रहती हैं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया है। इस घटना को लेकर सेक्टर वासियों में रोष व्याप्त है। पिछले साल सेक्टर में कुत्तों के खिलाफ एक अभियान चलाया था। जिसका विरोध सेक्टर के ही कुछ कुत्ता प्रेमियों ने पुलिस चौकी में जाकर के लिखित में शिकायत दी। कुछ प्रतिनिधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज भी कराया। प्राधिकरण का कुत्तों के प्रति सेक्टर की सुरक्षा के लिए कोई उपाय नहीं है। आए दिन प्रतिदिन कुत्ते सेक्टर वासियों पर हमला करते हैं। इसका कोई समाधान नहीं निकाला जा रहा है। आरोप है कि शिव शक्ति अपार्टमेंट और आसपास के क्षेत्रों के निवासी पिछले कुछ समय से आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या से परेशान हैं। पार्क, सड़कें और यहां तक कि आवासीय परिसरों में भी इन कुत्तों का घूमना-फिरना आम हो गया है। निवासियों का कहना है कि ये कुत्ते न केवल राहगीरों के लिए खतरा बन रहे हैं, बल्कि बच्चों और पालतू जानवरों की सुरक्षा पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं।

ओखला पक्षी विहार प्रवासी पक्षियों से गुलजार

नार्दन शेवलर, कॉमन कूट और ब्लैक हेडेड सहित सात हजार प्रवासी पक्षी पहुंचे

नोएडा। तापमान में गिरावट के साथ ही ओखला पक्षी विहार प्रवासी पक्षियों से गुलजार हो गया। यहां नार्दन शेवलर, कॉमन कूट, ब्लैक हेडेड आईबिस समेत कई प्रजातियों के पक्षियों ने दस्तक दी है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार दिसंबर अंत तक और जनवरी में पक्षियों की संख्या और अधिक बढ़ेगी। फॉरेस्ट रेंजर अमित गुप्ता ने बताया कि लगभग सात हजार प्रवासी पक्षी ओखला पक्षी विहार में पहुंचे हैं। इनमें नॉर्दन शेवलर, कॉमन कूट, ब्लैक हेडेड आईबिस, कोरमोरेंट, कॉमन टील और ग्रेलेग गूज शामिल हैं।

ग्रेटर फ्लैमिंगों अभी पक्षी विहार में नहीं दिखा है। संभव है कि आने वाले समय में यह पक्षी भी यहां पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इन पक्षियों को झील में विचरण करने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए जलकुंभी की सफाई

की गई है। बांस के चबूतरे बनाए गए हैं, ताकि पक्षी आराम से बैठ सकें। प्रकृति प्रेमी दूर-दूर से इन खास पक्षियों को देखने और उनके नजारों का लुत्फ उठाने आते हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर नवंबर से शुरू होकर मार्च तक, जब ठंड बढ़ती है, तब ये पक्षी यहां आते हैं और फिर वापस अपने ठंडे इलाकों में लौट जाते हैं। ज्यादातर पक्षी तिब्बत, यूरोप, साइबेरिया, कनाडा और मध्य एशिया के ठंडे क्षेत्रों से आते हैं। ठंड बढ़ने के साथ ही ओखला पक्षी विहार के खुलने और बंद होने के समय में बदलाव किया गया है। वन विभाग के अनुसार पक्षी विहार खुलने का समय सुबह 7.30 बजे और बंद होने का वक्त शाम पांच बजे कर दिया गया है। अप्रैल तक यह समय लागू रहेगा। मई में गर्मियों का समय लागू कर दिया जाएगा। गर्मियों में ओखला पक्षी विहार सुबह सात बजे और बंद होने का वक्त शाम 5.30 बजे होता है। अमित गुप्ता ने कहा कि ओखला पक्षी विहार में छह ई कार्ट हैं। इनमें लोगों की संख्या के अनुसार इन्हें चलाया जाता है। इन दिनों दो से तीन ई कार्ट चलाए जा रहे हैं। इनका एक तरफ का किराया 20 रुपये और दोनों तरफ का किराया 30 रुपये है। दो ई कार्ट सूरजपुर वेटलैंड भेजे गए हैं।

ओखला पक्षी विहार में देशी और प्रवासी पक्षियों की बड़ी संख्या में प्रजातियां देखने को मिलती हैं। इनमें ग्रेटर फ्लैमिंगो, पेलिकन, सारस, बगुले, बत्तख, किंगफिशर, और दुर्लभ प्रजातियां जैसे ब्लैक-बेलिड टर्न और काली गर्दन वाला सारस आदि शामिल हैं। हालांकि काफी समय से यहां दुलर्भ पक्षी देखने को नहीं मिल रहे हैं। पक्षियों के अलावा यहां नीलगाय, नेवला, और कुछ सरीसृप और उभयचर भी पाए जाते हैं, हालांकि पक्षी यहां का मुख्य आकर्षण हैं।

दिल्ली का दम घोंट रही जहरीली हवा

दिल्ली-एनसीआर के 82 फीसदी लोगों ने कहा, उनके परिचित को प्रदूषण के कारण गंभीर समस्याएं हुईं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर कराए गए एक हालिया सर्वेक्षण में शामिल दिल्ली-एनसीआर के 82 फीसदी निवासियों ने माना कि उनके जानने वाले एक या अधिक लोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिसका कारण लंबे समय तक वायु प्रदूषण के संपर्क में रहना है। सर्वेक्षण के आंकड़े ऐसे समय आए हैं, जब देश की राजधानी धुंध की घनी चादर में लिपटी हुई है और जहरीली हवा लोगों का दम घोंट रही है।

ऑनलाइन सामुदायिक मंच 'लोकलसर्कल्स' के सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले 28 फीसदी प्रतिभागियों ने बताया कि उनके परिवार, दोस्तों, पड़ोसियों या सहकर्मियों में कम से कम चार ऐसे व्यक्ति शामिल हैं, जो संभावित तौर पर प्रदूषण जनित स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। प्रतिभागियों के अनुसार, उनके जानने वाले लोग जिन स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, उनमें दमा, 'क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज', फेफड़ों को क्षति, हृदयघात, स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट शामिल है तथा यह लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने का नतीजा है। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 498 पर पहुंच गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। दिल्ली के 38 मौसम निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई, जबकि दो केंद्रों पर यह 'बेहद खराब' श्रेणी में रही। जहांगीरपुरी में एक्यूआई 498 दर्ज किया गया, जो सभी 40 केंद्रों में सबसे खराब वायु गुणवत्ता थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मानकों के अनुसार, एक्यूआई 0 से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। दिल्ली में रविवार को एक्यूआई 461 तक पहुंच गया था, जो इस सर्दी में शहर का सबसे प्रदूषित दिन और दिसंबर में वायु गुणवत्ता के मामले में दूसरा सबसे खराब दिन रहा, क्योंकि हवाओं की मद्धिम गति और कम तापमान के कारण प्रदूषक सतह के करीब जमा रहे। सर्वेक्षण के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के बड़े हिस्से में वायु गुणवत्ता अक्टूबर के अंत से ही 'बहुत खराब' और 'गंभीर' श्रेणियों में बनी हुई है। सर्वेक्षण में चिकित्सा खर्चों को लेकर बढ़ती चिंता भी सामने आई।

73 फीसदी प्रतिभागी इस बात को लेकर चिंतित दिखे कि अगर वे लगातार उच्च प्रदूषण के संपर्क में रहते हैं, तो अपने और परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य देखभाल पर होने वाले खर्च को वहन कर पाएंगे या नहीं। आठ फीसदी प्रतिभागियों ने कहा कि वे प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर को छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। अधिकांश लोगों ने कहा कि वे काम, पारिवारिक जिम्मेदारियों और अन्य मजबूरियों के कारण यहीं रहने को मजबूर हैं। सर्वेक्षण में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद के 34,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। 'लोकलसर्कल्स' ने कहा कि वह सर्वेक्षण के नतीजों को सरकारी हितधारकों के साथ साझा करने की योजना बना रहा है। उसने कहा कि वह सरकार से प्रदूषण के स्रोतों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाने और प्रभावित आबादी के लिए स्वास्थ्य देखभाल सहायता उपायों पर विचार करने का आग्रह करेगा।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण मामले में सुप्रीम कोर्ट 17 दिसंबर को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का मामला वकीलों ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में उठाया। एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि जब तक कोर्ट खुद निर्देश नहीं देता, तब तक राज्य अपनी ओर से जरूरी कदम नहीं उठाते। एक और वकील ने कहा कि कोर्ट के आदेश को धता बताकर स्कूल स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन कर रहे हैं। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि 17 दिसंबर को तीन जजों की पीठ के सामने यह मामला लगा है। हम वो आदेश देंगे, जिन पर व्यावहारिक रूप से अमल संभव हो। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के मद्देनजर चीफ जस्टिस ने वकीलों और केस में खुद पैरवी करने वालों को सुझाव दिया है कि वो उच्चतम न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर दलील रखने के बजाय वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सुनवाई में शामिल हो सकते हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी वकीलों और अपनी पैरवी खुद करने वाले लोगों को ऐसी ही सलाह दी है।

महापौर ने एमसीडी की बैठक में नवनिर्वाचित पार्षदों को दिलाई शपथ

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने सोमवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की एक विशेष बैठक के दौरान नवनिर्वाचित पार्षद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित पार्षदों को बधाई देते हुए महापौर राजा इकबाल सिंह ने सभी को शुभकामनाएं दीं तथा सामूहिक प्रयास और सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी पार्षदों को समर्पण और एकता के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए, ताकि नागरिक समस्याओं का समाधान किया जा सके और दिल्ली की जनता का कल्याण सुनिश्चित हो। महापौर ने जानकारी दी कि विशेष बैठक के दौरान नागरिकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उन्होंने दिल्ली नगर निगम की नागरिक प्रशासन को सुदृढ़ करने और राजधानी के निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया। महापौर ने कहा कि नगर निगम दिल्ली के नागरिकों को सर्वोत्तम श्रेणी की नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रभावी सेवा वितरण, पारदर्शिता और संवेदनशील प्रशासन पर निगम के फोकस को रेखांकित किया तथा सभी पार्षदों से जनकल्याण और शहरी विकास से जुड़ी पहलों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम जनसहभागिता को और अधिक मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि निगम द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि दिल्ली को एक स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित राजधानी के रूप में स्थापित किया जा सके। महापौर ने बताया कि निगम उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से शालीमार बाग-बी की अनीता जैन, द्वारका-बी की मनीषा देवी, विनोद नगर की सरला चौधरी, अशोक विहार की वीना असीजा, ग्रेटर कैलाश के अंजुम मंडल, दिचाऊं कलां की रेखा रानी और चांदनी चौक के सुमन कुमार गुप्ता शपथ ली। वही आम आदमी पार्टी (आआपा) से दक्षिण पुरी के राम स्वरूप कनौजिया, मुंडका के अनिल और नारायणा के राजन अरोड़ा ने शपथ ली। कांग्रेस की ओर से संगम विहार-ए से सुरेश चौधरी ने जीत दर्ज की। जबकि चांदनी महल से मोहम्मद इमरान ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) के उम्मीदवार ने शपथ ली।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली का लाल किला आज से पर्यटकों के लिए फिर से खुलेगा

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित ऐतिहासिक लाल किला परिसर मंगलवार से आम पर्यटकों के लिए फिर से खुल जाएगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल श्रेणी में शामिल 17वीं शताब्दी का यह किला पांच दिसंबर से आम जनता के लिए बंद है। लाल किले में आठ से 13 दिसंबर तक यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संरक्षण संबंधी अंतरसरकारी समिति का 20वां सत्र आयोजित किया गया था। एएसआई अधिकारी ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, ₹इस आयोजन के मद्देनजर लालकिला पांच से 14 दिसंबर तक बंद था और आज (15 दिसंबर) को सोमवार होने के कारण यह बंद है। लाल किला मंगलवार से पर्यटकों के लिए फिर से खुल जाएगा। पुरानी दिल्ली में स्थित मुगल काल का यह स्मारक एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जहां प्रतिदिन भारी संख्या में पर्यटक आते हैं।

बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगी करने वाले 32 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर जिले के सराय रोहिल्ला थाना टीम ने शास्त्री नगर इलाके में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बीमा पॉलिसी और एजेंट कमीशन रिफंड के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले इस गिरोह के तीन मास्टरमाइंड समेत कुल 32 आरोपितों को गिरफ्तार व हिरासत में लिया है। इनमें 29 टेली कॉलर शामिल हैं। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बंथिया ने सोमवार को बताया कि 9 दिसंबर को सराय रोहिल्ला थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शास्त्री नगर इलाके के एक मकान में फर्जी कॉल सेंटर चलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर बताए गए स्थान पर छापा मारा। जहां बड़ी संख्या में युवक-युवतियां फोन कॉल कर लोगों से बात करते मिले। पुलिस को देखते ही कॉल काट दिए गए। जांच में सामने आया कि कॉल सेंटर का मास्टरमाइंड नज़र अब्बास है, जो अपने साथियों रवि और विक्की ठाकुर के साथ मिलकर इस पूरे नेटवर्क को चला रहा था। गिरोह ऐसे लोगों का डेटा जुटाता था, जिनकी बीमा पॉलिसी बंद, डिफॉल्ट या मैच्योर हो चुकी थी।

संत डॉ. रामविलास वेदांती के निधन पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जताया शोक

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पूज्य संत एवं पूर्व लोकसभा सांसद डॉ. रामविलास वेदांती के निधन पर शोक जताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि पूज्य संत डॉ. वेदांती जी का निधन अत्यंत दुःखद है। वे राम जन्मभूमि आंदोलन के आधारभूत स्तम्भ थे और उनका जाना राष्ट्र की अपूरणीय क्षति है। राम मंदिर के सपने को साकार करने के लिए उन्होंने वर्षों तक अनूठा त्याग और कठोर तपस्या की। उनकी वह अमिट निष्ठा और प्रभु राम की प्रतिमूर्ति हमारी यादों में हमेशा बनी रहेगी। उनका संपूर्ण जीवन सच्ची रामभक्ति और राष्ट्रसेवा का प्रेरणास्त्रोत रहा। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों, शिष्यों एवं अनुयायियों को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि 07 अक्टूबर 1958 को मध्य प्रदेश में जन्में, डॉ वेदांती भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता, श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य और विश्व हिंदू परिषद के सदस्य भी रहे।

लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई की FIR पर अगली सुनवाई 19 दिसंबर को

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज एफआईआर के मामले में आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने के मामले पर सुनवाई टाल दी है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर को करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कहा कि इस मामले के एक आरोपित की मौत हो चुकी है। उसके बाद कोर्ट ने सीबीआई को संबंधित आरोपित की मौत का वेरिफिकेशन समेत दूसरे आरोपितों की भी वेरिफिकेशन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। दरअसल, 08 दिसंबर को कोर्ट को बताया गया था कि इस मामले के कुछ आरोपितों की मौत हो चुकी है। उसके बाद कोर्ट ने सीबीआई को आरोपितों की मौत का वेरिफिकेशन कर कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया था। इससे पहले कोर्ट आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने पर दो बार फैसला टाल चुका है। 04 दिसंबर और 10 नवंबर को कोर्ट किसी न किसी वजह से फैसला टाल चुका है। कोर्ट ने सीबीआई के मामले में आरोप तय करने पर 25 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था। लालू यादव ने इस मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर को निरस्त करने और ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर रोक की मांग के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

भाजपा के नये कार्यकारी अध्यक्ष का मुख्यमंत्री ने किया एयरपोर्ट पर स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नये राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के सोमवार को दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पहुंचने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यहां उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि नितिन नबीन का संगठनात्मक अनुभव, कार्यशैली तथा कार्यकर्ताओं के साथ सतत संवाद संगठन को और अधिक सुदृढ़ एवं अनुशासित दिशा प्रदान करेगा।

साथ ही उनके मार्गदर्शन में संगठनात्मक संरचना एवं कार्यप्रणाली को नई ऊर्जा और प्रभावशीलता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' के मूल मंत्र को केंद्र में रखते हुए, दिल्ली प्रदेश का प्रत्येक कार्यकर्ता आपके नेतृत्व में संगठनात्मक दायित्वों के निर्वहन हेतु पूर्ण निष्ठा से प्रतिबद्ध है तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को बूथ स्तर तक सशक्त रूप से पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। बाद में, रेखा गुप्ता नए कार्यकारी अध्यक्ष के स्वागत में भाजपा परिवार द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं।

सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने साझा की देश के ऊर्जा क्षेत्र में हुए विकास की उपलब्धियां

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को देश के ऊर्जा क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज ऊर्जा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, ट्रांसमिशन नेटवर्क, कोयला, तेल-गैस और परमाणु ऊर्जा हर क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

खंडेलवाल ने बताया कि देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता 505 गीगावाट तक पहुंच चुकी है, जिसमें गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों की हिस्सेदारी लगभग 50 फीसदी हो गई है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विज़न की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में कुल बिजली उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें नवीकरणीय एवं गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से उत्पादन की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। सौर ऊर्जा क्षमता 2014 के 2.82 गीगावाट से बढ़कर लगभग 130 गीगावाट के करीब पहुंच चुकी है, जो 40 गुना से अधिक वृद्धि को दर्शाती है। पवन, जलविद्युत और जैव-ऊर्जा क्षेत्रों में भी निरंतर विस्तार हुआ है।

खंडेलवाल ने बताया कि ट्रांसमिशन सेक्टर में भी रिकॉर्ड प्रगति हुई है, जहां एक ही वर्ष में हजारों सर्किट किलोमीटर नई लाइनों और बड़ी ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता को जोड़ा गया। इससे देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों तक निर्बाध बिजली आपूर्ति संभव हो पाई है। परमाणु ऊर्जा पर बोलते हुए खंडेलवाल ने कहा कि भारत की परमाणु क्षमता में निरंतर वृद्धि हो रही है और आने वाले वर्षों में स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) तथा स्वदेशी तकनीक से बने नए रिएक्टर देश की ऊर्जा सुरक्षा को और मज़बूत करेंगे। उन्होंने बताया कि कोयला क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ आयात में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हुई है।

साथ ही कोयला गैसीफिकेशन और स्वच्छ कोयला तकनीक को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। खंडेलवाल ने कहा कि तेल एवं गैस क्षेत्र में पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन, पीएम उज्ज्वला योजना और एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम ने देश की ऊर्जा पहुंच और ईंधन सुरक्षा को नई मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि इथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को समय से पहले हासिल करना इस दिशा में एक बड़ी सफलता है।

'आप' के नवनिर्वाचित पार्षदों ने एमसीडी सदन में ली शपथ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने उपचुनाव में विजयी तीनों पार्षदों को शपथ ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि एमसीडी उपचुनाव में आआपा के तीनों पार्षदों ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एमसीडी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी (आआपा) से विजयी होकर आए निगम पार्षदों ने सोमवार को एमसीडी की विशेष सदन बैठक में शपथ ग्रहण लिया। नारायणा से राजन अरोड़ा, मुंडका से अनिल लाकड़ा, दक्षिणपुरी से रामस्वरूप कनौजिया ने एमसीडी सदन में संविधान की शपथ ली। अंकुश नारंग ने नवनिर्वाचित तीनों पार्षदों से उम्मीद जताते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल के दूरदर्शी नेतृत्व और ₹आआपा₹ की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रेरित होकर सभी अपने-अपने क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई, विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे तथा जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरे उतरेंगे। उन्होंने इसे जनता की जीत, ईमानदारी की जीत बताया। अंकुश नारंग ने कहा कि नगर निगम में विशेष बैठक के दौरान महापौर ने नागरिकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, लेकिन आआपा के पार्षदों को इस बारे में जानकारी नही थी। आआपा के विरोध और नाराजगी के बाद भी महापौर ने बिना राय लिए ही प्रस्ताव पारित कर दिया। इस अवसर पर एमसीडी सह-प्रभारी प्रवीण कुमार, प्रीति डोंगरा, देवली विधायक प्रेम चौहान और ₹आआपा₹ के सभी निगम पार्षद व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साइबर-हवाला गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने एक बड़े और संगठित साइबर-हवाला गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई के दौरान ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी करने वाले नेटवर्क के एक अहम आरोपित को गिरफ्तार किया गया। वहीं एनडीपीएस एक्ट के एक वांछित आरोपित को भी दबोचा गया। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने सोमवार को बताया कि यह मामला एक 61 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक की शिकायत से सामने आया था, जिन्हें फर्जी ऑनलाइन निवेश स्कीम के जरिए 33 लाख 10 हजार रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया था। इस संबंध में ई-एफआईआर दर्ज कर साइबर सेल ने गहन तकनीकी और वित्तीय जांच शुरू की।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जांच में सामने आया कि ठगी की रकम को कई बैंक खातों के जरिए घुमाया गया, जो फर्जी कंपनियों के नाम पर खोले गए थे। इनमें 'बेलक्रेस्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' नाम की एक कथित कंपनी प्रमुख रूप से सामने आई। जिसके खाते में करीब 10 लाख 68 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए थे। बैंकिंग ट्रेल की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि रकम को परत-दर-परत घुमाकर हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए बाहर भेजा गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि उक्त मामले में पहले ही दिल्ली से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका था। पूछताछ के दौरान उन्होंने दीपांशु नाम के आरोपित की भूमिका उजागर की, जो इस साइबर-हवाला नेटवर्क का अहम ऑपरेटर बताया गया। इसके बाद इंस्पेक्टर अशोक के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी निगरानी के आधार पर दीपांशु की तलाश शुरू की। इस बीच पता चला कि वह उप्र के लखनऊ में छिपा हुआ है। लगातार पीछा करने के बाद पुलिस ने उसे मोहन लालगंज इलाके से आधी रात को गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल फोन, तीन चेकबुक और दो डेबिट कार्ड बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह अपने आकाओं के निर्देश पर डमी डायरेक्टरों के जरिए शेल कंपनियां बनवाता था और बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से खाते खुलवाता था। ठगी की रकम को सीएसपी24सेवन टेक्नोलॉजीज और लेविन फिनटेक जैसी शेल कंपनियों के माध्यम से हवाला और क्रिप्टो चैनलों में भेजा जाता था। इसके अलावा आरोपित ने यह भी कबूल किया कि सह-आरोपित की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने के बाद उसने सबूत मिटाने के इरादे से चेकबुक और सिम कार्ड नष्ट कर दिए थे। हालांकि उसका मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है, जिसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार इसी ऑपरेशन के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में वांछित आरोपित ऋषभ सिंह भी मोहनलालगंज इलाके में छिपा हुआ है। टीम ने 24 घंटे तक लगातार निगरानी और छापेमारी के बाद दीपांशु के साथ-साथ ऋषभ सिंह को भी गिरफ्तार किया। प्राथमिक जांच में सामने आया कि ऋषभ सिंह ने ही लखनऊ में वह ठिकाना दिलवाया था, जहां दीपांशु छिपकर रह रहा था। यह व्यवस्था जानबूझकर पुलिस से बचाने और गिरफ्तारी से बचने के मकसद से की गई थी। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क, मास्टरमाइंड, हवाला ऑपरेटरों, क्रिप्टो वॉलेट्स और संभावित अंतरराष्ट्रीय कड़ियों की जांच में जुटी है।

संपादकीय

मेस्सी के नाम पर 'महाभारत'

फुटबॉल के जादूगर, विश्व चैंपियन खिलाड़ी, लियोनेल मेस्सी कोलकाता आए और उनके फैन्स ने जो उत्पात मचाया, कमोबेश उसे खेल की दीवानगी तो नहीं माना जा सकता। चूंकि मेस्सी-प्रेमी अपने चहेते खिलाड़ी की झलक तक नहीं पा सके, उनसे बातचीत करना या ऑटोग्राफ लेना तो बहुत दूर की कौड़ी था, लिहाजा दर्शक भडक़ उठे। उन्होंने 'सॉल्ट लेक स्टेडियम' में पानी की बोतलें फेंकी, कुर्सियां उछालीं और तोड़-फोड़ की, होर्डिंग्स फाड़ दिए, तंबू उखाड़ फेंके, आगजनी तक की और मैसी के लिए बनाई 'कैनोपी' तक को नहीं बख्शा। यह दीवानगी के नाम पर अराजकता, गुंडागर्दी थी और आयोजन की अव्यवस्था, प्रबंधनहीनता की पराकाष्ठा थी। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इसे फुटबॉल प्रेमियों के लिए 'काला दिन' करार दिया है। यह वाकई शर्मनाक रहा। विश्व चैम्पियन कप्तान मैसी मैदान पर एक किक तक नहीं मार पाए, क्योंकि सुरक्षा के घेरे टूटने तक की नौबत आ गई थी। फुटबॉल का जादूगर आया और बिना कोई करिश्मा दिखाए 10 मिनट में ही स्टेडियम से बाहर चला गया। कुछ पल हाथ जरूर हिलाया, लेकिन फैन्स उसे साझा नहीं कर सके। बेशक बहुत कुछ कलंकित हुआ है। भारत 2026 के ओलिंपिक खेल आयोजन की बोलियां लगा रहा है, दावे कर रहा है, लेकिन उसके एक खेल-प्रेमी शहर में खेल के संस्कार ऐसे हैं, जो खेल की दृष्टि से निंदनीय और अस्वीकार्य हैं। कोलकाता अपनी चिरंतन सभ्यता, संस्कृति, भद्रलोक की छवि के लिए विख्यात रहा है। फुटबॉल वहां की दीवानगी है, पागलपन की हद तक है। गली-गली में बच्चे फुटबॉल खेलते दिख जाएंगे। यदि फुटबॉल के विश्व चैम्पियन खिलाड़ी मैसी के सम्मान में 70 फुट ऊंची प्रतिमा का सार्वजनिक अनावरण किया जाना था, तो सबसे बेहतर यह रहता कि उनका कुछ खेल देखा जाता, उन्हें एक सुरक्षित वाहन पर सवार कर स्टेडियम में घुमाया जाता, नेताओं को भी तो घुमाया जाता है, मेस्सी के प्रशंसक हाथ हिला कर या हाथ जोड़ कर अथवा किसी भी तरह अपने 'करिश्माई खिलाड़ी' का अभिनंदन कर सकते। दुर्भाग्य है कि आयोजक यह तय नहीं कर पाए। कुछ वीआईपी चेहरों, मंत्रियों, स्थानीय प्रतिनिधियों समेत दर्जनों सुरक्षाकर्मियों ने मेस्सी को इस कदर ढक लिया था कि फैन्स अपने 'हीरो' की झलक तक नहीं पा सके। दर्शकों ने कम से कम 3500 रुपए और अधिकतम 25,000 रुपए के टिकट खरीदे थे। ब्लैक में टिकट 40,000 रुपए तक बेचे गए। वह काला धन किसकी जेब में गया? इस महाभारत ने न केवल बंगाल की छवि को कलंकित किया है, बल्कि देश की खेल मानसिकता को भी बदनाम किया है।

हकीकत में कितनी गहराई है नैनी झील की ?

कुछ महीने पहले स्थानीय अखबारों में छपी खबरों के मुताबिक सिंचाई विभाग ने झील के जल स्तर को मापने का पैमाना बदल दिया है। झील की अधिकतम गहराई को जल स्तर मापने का नया पैमाना बना दिया है। सिंचाई विभाग द्वारा बताई जा रही नैनी झील की वर्तमान में अधिकतम गहराई का आंकड़ा संदेहास्पद प्रतीत होता है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान अंग्रेजों ने भारत में अनेक हिल स्टेशन बसाए। उसी क्रम में अंग्रेजों ने नैनीताल को भी एक सुव्यवस्थित हिल स्टेशन के रूप में बसाया और संवारा। अंग्रेजों ने इस नगर के दीर्घ जीवन के लिए यहां की खूबसूरत झील, पहाड़ियों, नालों एवं झील के जल संग्रहण क्षेत्र के लिए लिए वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थाएं बनाई। उन पर ईमानदारी के साथ अमल भी किया। विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अंग्रेज अधिकारियों ने गहन अध्ययन एवं शोध के बाद नैनीताल की झील, पहाड़ियों एवं नालों की सुरक्षा के लिए सख्त नियम- कानून बनाए। अंग्रेज इंजीनियरों ने नैनी झील के प्राकृतिक जल निकास बिंदु को छोड़कर संपूर्ण झील के चारों ओर बारह फिट ऊंची दीवार बनाई।

प्रयाग पाण्डे

जब राजनीतिक नेतृत्व जन सरोकारों से जुड़े विषयों के प्रति उदासीन हो जाता है तो कार्यपालिका प्रयोगधर्मी हो जाती है। सरकारी अधिकारी अपने बुनियादी दायित्वों को तिलांजलि दे कर मनमर्जी करने लगते हैं। कुछ अरसा पहले सिंचाई विभाग के इंजीनियरों द्वारा विश्व विख्यात नैनी झील के जलस्तर को मापने का ब्रिटिशकालीन पैमाना बदलना और नैनी झील की वर्तमान अधिकतम गहराई को लेकर विरोधाभासी दावे इस बात की बानगी हैं। नैनी झील, नैनीताल की संजीवनी है। यहां का प्राण है। नैनीताल का संपूर्ण जीवन-चक्र नैनी झील के इर्द-गिर्द ही घूमता है। इसका अनुपम नैसर्गिक सौंदर्य देशी-विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र है। नैनी झील यहां के बाशिंदों को रोजी- रोटी, भोजन- पानी, पहचान और आत्म सम्मान देती है। नैनी झील की सेहत और खूबसूरती से ही नैनीताल की खूबसूरती है। पर्यटन है, रोजगार है। सालाना अरबों का कारोबार है। नैनीताल का वजूद झील पर ही टिका है। नैनी झील को सुरक्षित एवं संरक्षित कर इसे दीर्घायु बनाने के प्रयत्न करने के बजाय उत्तराखंड का सिंचाई विभाग नैनी झील को लेकर निरर्थक नए प्रयोग करने पर आमादा है।

कुछ महीने पहले स्थानीय अखबारों में छपी खबरों के मुताबिक सिंचाई विभाग ने झील के जल स्तर को मापने का पैमाना बदल दिया है। झील की अधिकतम गहराई को जल स्तर मापने का नया पैमाना बना दिया है। सिंचाई विभाग द्वारा बताई जा रही नैनी झील की वर्तमान में अधिकतम गहराई का आंकड़ा संदेहास्पद प्रतीत होता है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान अंग्रेजों ने भारत में अनेक हिल स्टेशन बसाए। उसी क्रम में अंग्रेजों ने नैनीताल को भी एक सुव्यवस्थित हिल स्टेशन के रूप में बसाया और संवारा। अंग्रेजों ने इस नगर के दीर्घ जीवन के लिए यहां की खूबसूरत झील, पहाड़ियों, नालों एवं झील के जल संग्रहण क्षेत्र के लिए लिए वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थाएं बनाई। उन पर ईमानदारी के साथ अमल भी किया। विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अंग्रेज अधिकारियों ने गहन अध्ययन एवं शोध के बाद नैनीताल की झील, पहाड़ियों एवं नालों की सुरक्षा के लिए सख्त नियम- कानून बनाए। अंग्रेज इंजीनियरों ने नैनी झील के प्राकृतिक जल निकास बिंदु को छोड़कर संपूर्ण झील के चारों ओर बारह फिट ऊंची दीवार बनाई। झील के प्राकृतिक निकास स्थल पर अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए 15₹x 30₹ के पांच निकासी गेट बनाए। अंग्रेज इंजीनियरों ने झील के प्राकृतिक निकास बिंदु के तल को शून्य जल स्तर मानते हुए इससे ऊपर के पानी को झील के जल स्तर का पैमाना माना।

इस पैमाने के अनुसार झील के जल स्तर को नापने के लिए 12 फिट ऊंचा गेज लगाया गया। झील के जल स्तर की निगरानी के लिए वहां कंट्रोल रूम बनाया गया। इस कंट्रोल रूम से झील के जल स्तर की चौबीसों घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई। अंग्रेजी शासनकाल में झील के जल स्तर का प्रति घंटे का चार्ट बनता था। साल के किस महीने और किस तारीख को झील का अधिकतम जलस्तर कितना होना चाहिए, इसके लिए बाकायदा नियम बनाए गए थे। निर्धारित सीमा से अधिक पानी होने की स्थिति में झील से अतिरिक्त पानी की निकासी कर दी जाती थी। कंट्रोल रूम झील के जल स्तर और निकासी गेटों की चौबीसों घंटे निगरानी करता था। झील के प्राकृतिक निकास के तल को शून्य जलस्तर मानते हुए पानी इससे कम हो जाने पर जल स्तर को ऋणात्मक माना जाता था। यानी शून्य से नीचे। अंग्रेजी शासनकाल में बनी यह व्यवस्था कुछ दशक पूर्व तक सुचारू रूप से चलती रही। लेकिन अब सिंचाई विभाग के प्रयोगधर्मी अभियंताओं को 'शून्य से नीचे' शब्द नहीं भा रहा है। 'शून्य से नीचे' शब्द से छूटकारा पाने की मंशा से सिंचाई विभाग के इंजीनियरों ने अर्थहीन और सतही तरीका खोज निकाला है।

अंग्रेजों ने हर साल नैनी झील की लंबाई, चौड़ाई और गहराई नापने का नियम बनाया था। झील की नाप-जोख के लिए झील की सतह पर अलग-अलग स्थानों पर बीस पिलर बनाए गए थे। तब नियमित रूप से हर साल झील की लंबाई, चौड़ाई एवं गहराई नापी जाती थी। सिंचाई विभाग ने झील की नाप-जोख के लिए झील की सतह पर पिलर होने से इनकार किया है। यह दीगर बात है कि देखरेख के अभाव में मौजूदा समय में ब्रिटिशकालीन पिलर अस्तित्वविहीन हो गए हैं, लेकिन यह सच है कि पिलर बने थे। जब झील का प्रबंधन लोक निर्माण विभाग के पास था, ने 28 व 29 दिसंबर,1998 को अंतिम बार झील की नाप-जोख अंग्रेजी शासनकाल में बने इन सांकेतिक पिलरों के आधार पर ही की थी। 2017- 18 में अज्ञात कारणों के चलते नैनी झील का प्रबंधन सिंचाई विभाग को सौंप दिया गया। गर्मियों के मौसम में आमतौर पर झील का जलस्तर शून्य से कई फिट नीचे चला जाता है। संचार माध्यमों में इस आशय की खबरें छपती हैं। कहा जा रहा है कि इस हकीकत को छिपाने के लिए सिंचाई विभाग ने ब्रिटिश शासनकाल से चले आ रहे 'शून्य' के इस पैमाने को ही बदल दिया है। सिंचाई विभाग के इंजीनियरों ने अब नैनी झील की कथित अधिकतम गहराई को झील का जलस्तर मान लिया है। सिंचाई विभाग ने झील की अधिकतम गहराई 89 फिट घोषित की है। बकौल सिंचाई विभाग भविष्य में झील के जल स्तर को मापने का नया पैमाना झील की कथित अधिकतम गहराई 89 फीट मानी जाएगी। सिंचाई विभाग ने लेक कंट्रोल रूम के नीचे ब्रिटिश शासनकाल के दौरान लगे 12 फिट के गेज/पैमाने को निकाल कर उसके स्थान पर नया गेज/ पैमाना लगा दिया है, जिसमें झील की अधिकतम गहराई 89 फीट दर्शाई गई है।

प्रश्न यह है कि सिंचाई विभाग ने झील की वर्तमान समय में अधिकतम गहराई 89 फिट कैसे आंकी? इस संबंध में सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत मांगी गई जानकारी में सिंचाई विभाग ने 15 जुलाई, 2025 को बताया है कि सिंचाई विभाग ने वर्ष 2018 में ए.एच.ई.सी.(आईआईटी,रुड़की) एन.आई.एच, रुड़की और आई.सी.ए.आर, देहरादून ने नैनी झील का बाथीमीट्रिक सर्वे कराया था। इस सर्वे के अनुसार नैनी झील की अधिकतम गहराई 27.15 मीटर यानी 89 फीट डेढ़ इंच है। जबकि 28 व 29 दिसंबर, 1998 में लोक निर्माण विभाग ने नैनी झील की नाप-जोख की थी, तब लोक निर्माण विभाग ने झील की अधिकतम गहराई 25.80 मीटर यानी 84 फीट आठ इंच नापी थी। इन बीस सालों में झील की गहराई हैरतअंगेज तरीके से करीब साढ़े चार फीट कैसे बढ़ गई? झील की गहराई में करीब साढ़े चार फीट की यह कथित बढ़ोतरी यकीनन चौंकाने वाली है। काबिल-ए- गौर यह है कि 1998 में नैनीताल नगर में मकानों की संख्या करीब साढ़े तीन हजार के आसपास थी। 2018 तक यहां मकानों की संख्या तकरीबन दुगुनी हो गई थी। वर्तमान में यहां मकानों की संख्या 1998 के मुकाबले करीब ढाई गुनी से अधिक हो गई है। इसी अनुपात में जनसंख्या में भी वृद्धि हुई है। आज से एक सौ बरस पहले नैनी झील की अधिकतम गहराई 28.3 मीटर यानी 93 फीट आंकी गई थी। तब यहां कुल करीब साढ़े पांच सौ मकान थे और यहां की जनसंख्या ग्यारह हजार के आसपास थी। तब के मुकाबले आज यहां की आबादी छह गुना से अधिक बढ़ गई है। मकानों की संख्या में बीस गुना इजाफा हुआ है। यदि बात पिछले ढाई दशकों की ही करें तो इस कालखंड में नैनीताल नगर में हजारों नए मकान बने। जनसंख्या में बेतहाशा उछाल आया है। पर्यटकों की आमद भी बढ़ी है। पिछले ढाई दशक के कालखंड में भवन और अन्य निर्माण गतिविधियों में निकला मिट्टी- मलबा और कूड़ा-करकट का कितना हिस्सा नालों के द्वारा झील के उदर में समाया, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है।

भारत-रूस व्यापार का नया दौर

-डॉ. जयंतीलाल भंडारी-

हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान 5 दिसंबर को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई 23वीं भारत-रूस शिखर बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े 16 महत्वपूर्ण समझौते किए और और चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। ये घोषणाएं रूसी पर्यटकों को भारत के द्वारा 30 दिनों के लिए ई वीजा, रूसी नागरिकों को समूह में पर्यटन वीजा, वर्ष 2030 तक भारत-रूस आर्थिक सहयोग के तहत विशेष प्रोग्राम शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार 64 से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर किए जाने के मद्देनजर तैयार किए गए रणनीतिक आर्थिक रोडमैप से संबंधित हैं। इस तरह तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश के बीच भारत और रूस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम देने की नींव रखी है। दोनों देशों के नए व्यापार-आर्थिक आधारों की कई बातें उभर कर दिखाई दे रही हैं। रूस ने भारतीय निर्यात को बढ़ाने के लिए गैर-शुल्क बाधाओं और नियामकीय अड़चनों को दूर करने के जरूरी कदम आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। दोनों देशों के बीच उर्वरक की आपूर्ति, ध्रुवीय क्षेत्रों में भारतीय नाविकों के प्रशिक्षण में सहयोग के लिए भी समझौता किया गया है। अब भारतीय कंपनियों की तरफ से रूस में उर्वरक संयंत्र लगाने का रास्ता साफ हो गया है। दोनों देशों ने श्रम गतिशीलता समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका लाभ यह होगा कि रूसी उद्योगों की जरूरत के मुताबिक भारत से प्रशिक्षित श्रमिकों की आपूर्ति हो सकेगी। खासतौर से भारत से रूस को निर्माण, इंजीनियरिंग और आईटी क्षेत्रों को श्रमिकों की नियुक्ति करने में मदद मिलेगी। रूस में भारत से करीब 50 लाख कुशल श्रमिकों की आपूर्ति की संभावनाएं हैं।

गैर कानूनी तौर पर श्रमिकों की आवाजाही पर रोकने में सहयोग करने संबंधी समझौता भी महत्वपूर्ण है। खाद्य उत्पादों की सुरक्षा और गुणवत्ता में सहयोग संबंधी समझौते से भारत से रूस को निर्यात बढ़ सकेगा। रूस द्वारा समर्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए भारत में अन्य स्थल संबंधी चर्चा की गई है। दोनों देशों ने भारत-यूरेशियाई आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने की जरूरत पर बल दिया है। दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे, उत्तरी समुद्री मार्ग तथा चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे के माध्यम से संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-रूस दोस्ती को ध्रुव तारा बताया और कहा कि यह दोस्ती दुनिया में आए उतार-चढ़ावों के बीच विगत आठ दशक से मजबूत है। पुतिन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और वे नियमित रूप से द्विपक्षीय संबंधों पर नजर रखते हैं। उन्होंने इस बात पर भी फोकस किया कि वर्ष 2024 -25 में भारत-रूस व्यापार 12 फीसदी बढक़र लगभग 64 अरब डॉलर हो गया, जिसमें से 96 फीसदी दोनों देशों की राष्ट्रीय मुद्राओं में है। पुतिन ने कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के शेष रिएक्टरों को पूरा करने, चिकित्सा और कृषि जैसे गैर-ऊर्जा अनुप्रयोगों में सहयोग का विस्तार करने संबंधी विशेष वक्तव्य भी दिया है। पुतिन ने कहा कि रूस भारत की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए तेल, गैस, कोयला और हर चीज का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना रहेगा। पुतिन ने यह भी कहा कि दोनों देश शुल्क और गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं को दूर करने, लॉजिस्टिक्स में सरलता लाने, सुचारू भुगतान तंत्र सुनिश्चित करने और बीमा के मुद्दों के समाधान खोजने संबंधी मुद्दों पर भी प्राथमिकता से ध्यान देंगे। निश्चित रूप से अब भारत-रूस व्यापार की अनुकूलताएं बढ़ी हैं। ऐसे में भारत को व्यापार अंसुतलन को दूर करने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढना होगा। रूस के साथ संतुलित व्यापार के लिए रूस को भारत से निर्यात को बढ़ाने की जरूरत है।

वित्त वर्ष 2022-23 में रूस से भारत का आयात 5.48 अरब डॉलर से बढक़र वित्त वर्ष 2024-25 में 63.8 अरब डॉलर हो गया, जबकि रूस को भारत से निर्यात 3.5 अरब डॉलर से बढक़र केवल 4.88 अरब डॉलर हुआ है। परिणामस्वरूप रूस के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2022-23 में 1.98 अरब डॉलर से बढक़र वित्त वर्ष 2024-25 में 58.92 अरब डॉलर हो गया। ऐसे में अब भारत व रूस के बीच वार्ता के दौरान व्यापार असंतुलन कम करने के लिए जो प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है, उसके मद्देनजर अब रूस को ध्यान देना होगा कि भारत के कृषि निर्यातकों को लंबी रूसी प्रमाणन और लिस्टिंग प्रक्रियाओं से संबंधित गैर-शुल्क बाधाएं कम की जाएं। कृषि निर्यात के मामले में रूस जिस तरह भारतीय इकाइयों के पंजीकरण और निरीक्षण की प्रणाली का पालन करता है, उसकी गति बढ़ाई जाए। फार्मास्युटिकल निर्यातकों को यूरेशियन मानकों से संबंधित बाधाओं को दूर करने के लिए कदम उठाए जाएं। इसके साथ-साथ लॉजिस्टिक्स में अड़चनों को दूर करने, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, सुचारू भुगतान तंत्र सुनिश्चित करने, बीमा व पुनर्बीमा के मुद्दों के समाधान के साथ-साथ रूस के द्वारा समुद्री उत्पाद, डेरी, पोल्ट्री और औषधि क्षेत्रों में गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की दिशा में प्रभावी कदम आगे बढ़ाए जाएं, ताकि भारत से रूस को निर्यात बढ़ाने की नई राह प्रशस्त की जा सके। निश्चित रूप से भारत-रूस शिखर वार्ता अत्यधिक सफल रही है और इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार की नई संभावनाओं के साथ-साथ आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की संभावनाओं को भी आगे बढ़ाया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के द्वारा एक के बाद एक अत्यधिक प्रभावी द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों को आकार दिया जा रहा है। मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए की प्रगति से संबंधित जो नए आंकड़े प्रकाशित हुए हैं, उनके मुताबिक जहां इन देशों के साथ व्यापार तेजी से बढ़ा है, वहीं इन देशों में निर्यात भी बढ़ रहे हैं।

एक अक्टूबर से भारत और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच एफटीए लागू हो गया है। भारत और एफ्टा देशों के बीच लागू हुआ यह व्यापार समझौता यूरोप के एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक ब्लॉक के साथ भारत के विदेश व्यापार को नई दिशाएं देगा। इसी वर्ष अक्टूबर माह में भारत दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण रणनीतिक विचार मंथन किया है। भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एफटीए को मंजूरी दे दी है। अब ब्रिटेन के द्वारा संसद की मंजूरी ली जाएगी। इसी तरह भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

सुख का संबंध आत्मा से होता है

समाज में सभी सुखी रहना चाहते हैं, लेकिन यह हो कैसे? इसका एक सूत्र है-प्रेम। वस्तुतः प्रेम वह तत्व है जो प्रेम करने वाले को सुखी तो बनाता ही है, जिससे प्रेम किया जाता है वह भी सुखी होता है। याद रखें, सुख और सुविधा दो भिन्न चीजें हैं। जो शरीर को आराम पहुंचाता है वह सुख नहीं, सुविधा है, लेकिन सुख का संबंध आत्मा से होता है। आप अच्छे घर में रहते हैं, अच्छी कार में बैठते हैं, एयरकंडीशन ऑफिस में काम करते हैं उससे आपके शरीर को सुविधा प्राप्त होती है, परंतु आप सत्य बोलते हैं, सबको प्रेम करते हैं, ईमानदारी और नैतिकता का व्यवहार अपनाते हैं, सच्चाई और संवेदना दर्शाते हैं, अहिंसा के मार्ग पर चलते हैं तो उससे आपको जो सुख मिलता है वह आत्मिक सुख कहलाता है। यही सुख व्यक्ति और समाज को सुखी बनाता है। जिंदगी के सफर में नैतिक व मानवीय उद्देश्यों के प्रति मन में अटूट विश्वास होना जरूरी है। कहा जाता है आदमी नहीं चलता, उसका विश्वास चलता है। आत्मविश्वास सभी गुणों को एक जगह बांध देता है यानी विश्वास की रोशनी में मनुष्य का संपूर्ण व्यक्तित्व और आदर्श उजागर होता है। दुनिया में कोई भी व्यक्ति महंगे वस्त्र, आलीशान मकान, विदेशी कार, धन-वैभव के आधार पर बड़ा या छोटा नहीं होता। उसकी महानता उसके चरित्र से बंधी है और चरित्र उसी का होता है जिसका खुद पर विश्वास है। मनुष्य के भीतर देवत्व है, तो पशुत्व भी है। सर्वे भवंतु सुखिनः का पुरातन भारतीय मंत्र संभवतः दानवों को नहीं सुहाया और उन्होंने अपने दानवत्व को दिखाया। पूर्वजों के लगाए पेड़ आंगन में सुखद छांव और फल-फूल दे रहे थे, लेकिन जब शैतान जागा और दानवता हावी हुई तो भाई-भाई के बीच दीवार खड़ी हो गई। बड़े भाई के घर में वृक्ष रह गए और छोटे भाई के घर में छांव पडने लगी। अधिकारों में छिपा वैमनस्य जागा और बड़े भाई ने सभी वृक्षों को कटवा डाला। पड़ोसियों ने देखा तो दुख भी हुआ। उन्होंने पूछा इतने छांवदार और फलवान वृक्ष को आखिर कटवा क्यों दिया? उसने उत्तर दिया, क्या करूं पेड़ों की छाया का लाभ दूसरों को मिल रहा था और जमीन मेरी रुकी हुई थी। वर्तमान में हमने जितना पाया है, उससे कहीं अधिक खोया है। भौतिक मूल्य इंसान की सुविधा के लिए हैं, इंसान उनके लिए नहीं है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1631 - इटली के माउंट विसुवियस में ज्वालामुखी विस्फोट से छह गांव तबाह, चार हजार से अधिक लोग मारे गये।
1707 - जापान के माउंट फुजी पर्वत में अंतिम बार ज्वालामुखी विस्फोट हुआ।
1824 - ग्रेट नॉर्थ हॉलैंड नहर खोली गयी।
1862 - नेपाल ने संविधान को अपनाया।
1889 - ब्रिटिश संसद की अधिकार घोषणा को राजा विलियम तथा रानी मेरी ने स्वीकार कर शासन में जनता के अधिकार को मान्यता दी।
1920 - चीन के कान्सू प्रांत में भीषण भूकंप आने से एक लाख से ज्यादा लोगों की मौत।
1927 - आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डान ब्रैडमैन ने न्यूसाउथ वेल्स और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच से अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट की शुरुआत की।
1929 - कलकत्ता (अब कोलकाता) विद्युत आपूर्ति निगम ने हुगली नदी के भीतर नहर की खुदाई आरंभ की।
1951 - हैदराबाद में सालार जंग संग्रहालय की स्थापना की गयी।
1958 - कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में एक गोदाम में लगी भीषण आग में 82 लोगों की मौत।
1959 - पाकिस्तान के लोवाराय दर्रे में भारी बर्फबारी से 48 लोगों की मौत।
1971 - भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पर सहमति के बाद बांग्लादेश पाकिस्तान से पृथक होकर स्वतंत्र राष्ट्र बना।
1985 - तमिलनाडु के कलपक्कम में पहले फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफबीटीआर) की स्थापना।
1991 - कजाखस्तान ने सोवियत संघ से स्वतंत्रता की घोषणा की।
1993 - नयी दिल्ली में 'सभी के लिए शिक्षा' सम्मेलन प्रारम्भ।
1994 - पलाऊ संयुक्त राष्ट्र का 185वां सदस्य बना।
1999 - गोलन पहाड़ी के मुद्दे पर सीरिया-इस्त्रायल वार्ता विफल।
2002 - बांग्लादेश ने 31वाँ विजय दिवस मनाया।
2004 - दूरदर्शन की फ्री टु एयर डीटीएच सेवा 'डीडी डायरेक्ट +' का शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था।
2006 - नेपाल में अंतरिक्ष संविधान को अंतिम रूप दिया गया। इसके तहत राजा ज्ञानेन्द्र को देश के प्रमुख के पद से हटा दिया गया।

तिरुवनंतपुरम की जीत और टूटता राजनीतिक मिथक

-अजीत लाड़-

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों को केवल एक राज्य-विशेष की राजनीतिक घटना मानना एक गंभीर भूल होगी। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 45 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की जीत और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का अपेक्षाकृत सशक्त प्रदर्शन दरअसल उस राष्ट्रीय राजनीतिक प्रवृत्ति का विस्तार है, जो बीते एक दशक से भारतीय लोकतंत्र को नए सिरे से गढ़ रही है। ये नतीजे न सिर्फ 2026 के केरल विधानसभा चुनावों की भूमिका हैं, बल्कि 2029 के आम चुनावों की आहट भी अपने भीतर समेटे हुए हैं। राष्ट्रीय परिदृश्य में देखें तो बीजेपी का केरल में उभार एक रणनीतिक प्रतीक है। अब तक दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, बीजेपी के लिए एक कठिन भूगोल रहा है। मजबूत वामपंथी परंपरा, सामाजिक सुधार आंदोलनों की विरासत और संघीय चेतना ने केरल को राष्ट्रीय दक्षिणपंथी राजनीति से काफी हद तक अलग रखा। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसी राजधानी में जीत बीजेपी के लिए केवल एक सीट नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बढ़त है। यह संदेश दिल्ली से लेकर नागपुर तक स्पष्ट है, कि बीजेपी अब "अजेय किले" माने जाने वाले राज्यों में भी धीरे-धीरे सेंध लगाने की स्थिति में है।

इतना ही नहीं यह परिघटना उस राष्ट्रीय रणनीति से भी मेल खाती है, जिसमें बीजेपी स्थानीय निकायों और शहरी संस्थाओं को राजनीतिक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद अब दक्षिण में भी पार्टी शहरी मध्यवर्ग, युवा पेशेवरों और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित कर रही है। केरल में यह रणनीति खास तौर पर "सुशासन", "भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन" और "विकास बनाम वैचारिक जड़ता" जैसे नैरेटिव के ज़रिये आगे बढ़ती दिखती है। वहीं कांग्रेस के लिए केरल के ये नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी अहमियत रखते हैं। एक ओर, यह पार्टी के लिए राहत का संकेत है कि वह अभी भी कुछ राज्यों में बीजेपी-विरोधी राजनीति का केंद्र बन सकती है। दूसरी ओर, यह चेतावनी भी है कि यदि कांग्रेस अपनी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक ऊर्जा को पुनर्स्थापित नहीं करती, तो उसका स्थान बीजेपी और क्षेत्रीय दलों के बीच सिमटता जाएगा।

राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस आज जिस अस्तित्वगत संकट से जूझ रही है, केरल के स्थानीय चुनाव उसके छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उत्तर की तरह सामने आते हैं कि जीत संभव है, पर शर्तें बदल चुकी हैं। वामपंथ के लिए यह पराजय सिर्फ राज्य सरकार के खिलाफ असंतोष नहीं, बल्कि राष्ट्रीय वाम राजनीति के क्षरण का प्रतिबिंब भी है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के बाद केरल ही वह प्रमुख राज्य बचा है, जहाँ वामपंथ सत्ता में है। स्थानीय चुनावों में आई गिरावट यह सवाल खड़ा करती है कि क्या वाम राजनीति अपने पारंपरिक सामाजिक आधार मजदूर, किसान, निम्न-मध्य वर्ग से धीरे-धीरे दूर होती जा रही है? राष्ट्रीय स्तर पर वाम दल पहले ही हाशिये पर हैं, और केरल में कमजोर होते संकेत उनके लिए एक गहरी वैचारिक चुनौती हैं। सामाजिक दृष्टि से भी केरल के नतीजे राष्ट्रीय बहस को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक केरल को "राजनीतिक परिपक्वता" और "सांप्रदायिक सौहार्द" का मॉडल माना गया। लेकिन हाल के वर्षों में यहाँ भी पहचान, धर्म और सांस्कृतिक राजनीति के प्रश्न उभरने लगे हैं। बीजेपी की शहरी सफलता और कांग्रेस-वाम की प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि केरल अब पूरी तरह उस राष्ट्रीय राजनीतिक धारा से अछूता नहीं रहा, जहाँ भावनात्मक मुद्दे, प्रतीकात्मक राजनीति और सोशल मीडिया के ज़रिये जनमत निर्माण निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इन चुनावों का एक अहम राष्ट्रीय संकेत यह भी है कि स्थानीय चुनाव अब "छोटे चुनाव" नहीं रहे। जिस तरह दिल्ली, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़कर देखा गया, उसी तरह केरल के नतीजे भी केंद्र की राजनीति पर असर डालते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बने नए राजनीतिक संतुलन में बीजेपी, कांग्रेस और क्षेत्रीय शक्तियाँ तीनों के लिए केरल एक रणनीतिक प्रयोगशाला बन सकता है।

2026 का केरल विधानसभा चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह यह तय करेगा कि क्या बीजेपी दक्षिण में एक स्थायी राजनीतिक खिलाड़ी बन पाएगी, क्या कांग्रेस राष्ट्रीय विकल्प के रूप में अपनी विश्वसनीयता लौटाएगी, और क्या वामपंथ अपने वैचारिक और संगठनात्मक संकट से उबर पाएगा। इन तीनों सवालों के उत्तर का असर केवल केरल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करेगा। अंततः, केरल के स्थानीय चुनाव यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय लोकतंत्र एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। पुराने राजनीतिक मिथक टूट रहे हैं, नए प्रयोग हो रहे हैं और मतदाता पहले से कहीं अधिक सजग, असंतुष्ट और विकल्पों की तलाश में है। केरल का यह "सेमीफाइनल" दरअसल पूरे देश के लिए एक संकेत है कि अब राजनीति में कोई भी क्षेत्र, कोई भी विचारधारा स्थायी सुरक्षित क्षेत्र नहीं रही। यही इस चुनाव का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संदेश है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

प्रधानमंत्री को लेकर अशोभनीय नारे लगाना नामदारों की झुंझलाहट : नड्डा

नई दिल्ली। सोमवार को राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने के कुछ देर बाद ही स्थगित करनी पड़ी। दरअसल रविवार को दिल्ली में कांग्रेस की एक रैली थी। सोमवार को राज्यसभा में इस रैली का जिक्र करते हुए नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि रैली में प्रधानमंत्री को लेकर अशोभनीय व निंदनीय नारे लगाए गए।

उन्होंने सदन में कहा कि इस के लिए कांग्रेस अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व कांग्रेस पार्टी की नेता सोनिया गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। इस दौरान सदन में पक्ष व विपक्ष की ओर से जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया और कुछ ही देर बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। गौरतलब है कि रविवार को कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली की थी। इस रैली को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई कांग्रेस नेता ने संबोधित किया था। सोमवार को राज्यसभा में बोलते हुए नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की इस रैली में प्रधानमंत्री के लिए निंदनीय नारे लगाए गए। उनकी मृत्यु की कामना की गई। जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की रैली में 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी, आज नहीं तो कल खुदेगी' जैसे नारे लगाए गए हैं। जेपी नड्डा के इस बयान पर आपत्ति जताते हुए कांग्रेस सांसदों का कहना है कि यह रैली सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं है। यह सदन से जुड़ा विषय भी नहीं है। ऐसे में इस विषय पर सदन में बोलना, तय नियमों के अनुसार सही नहीं है। वहीं जेपी नड्डा ने सदन में बोलते हुए कहा कि मैं बेहद ही दुख के साथ और उद्वेलित मन से इस विषय को सदन के सामने लाना चाहता हूं। कल कांग्रेस पार्टी की जो रैली हुई है उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर ये नारे लगे। उन्होंने कहा कि इस तरह के नारे कांग्रेस पार्टी की सोच और मानसिकता को दर्शाते हैं। नामदारों की झुंझलाहट को स्पष्ट इंगित करता है। नड्डा ने कहा कि इस तरह प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की बात कहना अपने आप में बहुत ही निंदनीय हैं। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस पार्टी की नेता सोनिया गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। इस बीच सदन में हंगामा शुरू हो गया। उन्होंने हंगामा के बीच बोलते हुए कहा कि राजनीति का स्तर कांग्रेस पार्टी ने इतना गिरा दिया है कि वह कल्पना के भी पार है। हम इसकी घोर निंदा करते हैं।

रिजिजू ने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी के लिए खरगे और राहुल से संसद में माफी की मांग की

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को हुई कांग्रेस की 'वोट चोर, गद्दी छोड़' रैली विवादों में घिर गई है। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में रैली में शामिल कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं नेप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए आपत्तिजनक नारेबाजी की इसको लेकर केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से संसद से देश से माफी मांगने की अपील की।

किरेन रिजिजू ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष। ऐसे में दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि वे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें और संसद में प्रधानमंत्री व देश से माफी मांगें। रिजिजू ने कहा कि उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से कोई आपत्ति नहीं है, राहुल गांधी अपनी पार्टी के अनुसार किसी भी विचारधारा को अपना सकते हैं, लेकिन रैली में प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल भारतीय राजनीति के इतिहास में बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं। सभी का लक्ष्य देश के लिए काम करना और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा विपक्ष को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानने की सीख देते हैं, लेकिन किसी प्रधानमंत्री को जान से मारने या उनकी कब्र खोदने जैसे नारे लोकतंत्र के लिए घातक हैं। राजनीतिक संवाद की भी एक सीमा होनी चाहिए। रिजिजू ने भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने कभी किसी को मारने या किसी के परिवार के खिलाफ ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं किया। राजनीतिक मतभेद अलग हो सकते हैं, लेकिन लोकतांत्रिक मर्यादा सभी को समझनी चाहिए। उन्होंने कहा संसद का सत्र चल रहा है और कांग्रेस अध्यक्ष तथा दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष को सदन के भीतर आकर देश से माफी मांगनी चाहिए।

भारत के पहली बार एसडीएटी स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने पर प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय स्क्वैश टीम के चेन्नई में आयोजित एसडीएटी स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर देशवासियों को बधाई दी है।

रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप की चैंपियन बनी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय टीम को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय स्क्वैश टीम को पहली बार वर्ल्ड कप जीतने पर हार्दिक शुभकामनाएं। जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलावन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह ने असाधारण समर्पण और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। उनकी यह सफलता पूरे देश को गौरवान्वित करती है और यह जीत युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतकर टीम इंडिया ने देश के लिए गौरवशाली इतिहास रचा है। कठिन से कठिन प्रतिद्वंद्वियों को हराने में जिस अदम्य खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन किया गया है, वह आने वाली नई प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा बनेगा।

पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

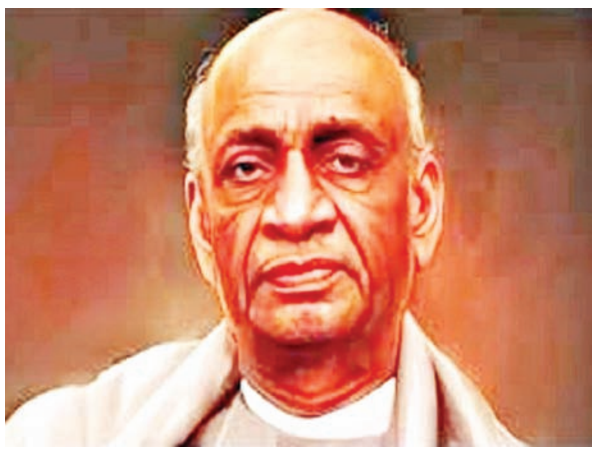

नई दिल्ली। देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को देशभर में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रक्षामंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्षी दलों के नेताओं ने सरदार पटेल के राष्ट्र-निर्माण में योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने नव स्वतंत्र भारत को साहस, दृढ़ विश्वास और एकता के सूत्र में बांधा। आज का सशक्त और आत्मविश्वासी भारत उनकी दूरदृष्टि और राष्ट्र-निर्माण की सोच का परिणाम है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें राष्ट्रीय एकता का शिल्पी बताते हुए विनम्र अभिवादन किया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजेजू ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें मेरा सादर नमन। उनकी दूरदृष्टि और दृढ़ नेतृत्व ने भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाने की नींव रखी। उनका समर्पण हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सरदार पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरदार पटेल को स्वतंत्र भारत की एकता और अखंडता का शिल्पकार बताते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकता और अखंडता के सूत्र में पिरोकर प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का मार्ग दिखाया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उन्हें नमन करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने देश में लोकतंत्र की मजबूत बुनियाद रखने और आधुनिक भारत के निर्माण में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन, विचार एवं देश के प्रति उनका योगदान हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में पटेल पार्क स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का योगदान राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नमन करते हुए कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए उन्होंने अप्रतिम योगदान दिए। उनका समर्पण युवाओं को हमेशा राष्ट्र भक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में अतुलनीय योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका दृढ़ नेतृत्व, अदम्य साहस और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और राजनीतिक कौशल से 560 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर अखंड भारत की मजबूत नींव रखी। अखिल भारतीय सेवाओं को सुदृढ़ करने और किसानों के अधिकारों के लिए उनके अथक प्रयास राष्ट्र के लिए अमूल्य हैं। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सशक्त भारत के निर्माण हेतु उनका निस्वार्थ समर्पण सदैव हमें प्रेरित करता रहेगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फणनवीस ने कहा कि दूरदर्शी नेता और भारत की एकता के वास्तुकार, भारत के लौह पुरुष, सरदार वल्लभभाई पटेल को उनके 75वें स्मृति दिवस पर नमन। उनका अटूट संकल्प और नेतृत्व पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने शासकीय आवास पर अखंड भारत के शिल्पकार, महान स्वतंत्रता सेनानी 'भारत रत्न' लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पंजाब के स्कूलों को मिल रही धमकियों की हो एनआईए जांच : तरुण चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब में स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों के बीच फैले भय और दहशत के माहौल पर कड़ी आपत्ति जताई। चुग ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार की नालायकी के कारण आज यह स्थिति पंजाब में हुई है।

सोमवार को मीडिया से बातचीत में चुग ने एनआईए से जांच की मांग करते हुए कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि पंजाब के बच्चों और उनके माता-पिता को डराने के लिए रची गई एक सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। चुग ने सवाल उठाया कि क्या भगवंत मान सरकार अनजाने में आईएसआई जैसी ताक़तों के इशारों पर खेल रही है या फिर वह पंजाब में सक्रिय अराजक तत्वों पर लगाम लगाने में पूरी तरह विफल हो चुकी है। चुग ने कहा कि पंजाब का बच्चा-बच्चा जानता है कि गैंगस्टर और माफिया बेखौफ होकर खुलेआम घूम रहे हैं। आए दिन गोलियां चलना और व्यापारियों व आम लोगों को धमकी भरे फिरौती कॉल आना अब सामान्य बात बन चुकी है, जिससे पूरे समाज में डर और असुरक्षा का माहौल है। उन्होंने कहा कि यह और भी चिंताजनक है कि अब स्कूली बच्चों को दहशत और आतंक का शिकार बनाया जा रहा है, और ये सब ऐसे समय में रहा जब मान सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार के खोखले दावे कर रही है। चुग ने कहा कि यह भगवंत मान सरकार की अमानवीय और आपराधिक विफलता है, जिसकी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा गहन और निष्पक्ष जांच बेहद आवश्यक है।

आरएसएस ने शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन पर जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कर्नाटक दक्षिण प्रांत ने कर्नाटक विधानसभा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्रद्धांजलि संदेश में आरएसएस ने कहा कि शमनूर शिवशंकरप्पा का सामाजिक दृष्टिकोण, निरंतर सक्रियता और जीवन के प्रति उत्साह सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा। संघ ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनके निधन से उत्पन्न रिक्तता को भर पाना अत्यंत कठिन होगा। आरएसएस कर्नाटक दक्षिण प्रांत के संघचालक जी.एस. उमापथी ने प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्राप्त हो तथा ईश्वर उनके परिवार और असंख्य अनुयायियों व प्रशंसकों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि शमनूर शिवशंकरप्पा ने पांच दशकों से अधिक समय तक राज्य के राजनीतिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाई।

तीन देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को परिचय पत्र सौंपे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में तीन देशों के राजदूतों से उनके परिचय-पत्र स्वीकार किए।

परिचय-पत्र सौंपने वालों में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहअली, ब्रुनेई दारुस्सलाम की उच्चायुक्त सीती आर्नीफरिजा हाजी मोह्द जानी तथा फेडरेटेड स्टेट्स ऑफ माइक्रोनेशिया के राजदूत जॉन फ्रिट्ज शामिल थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी राजदूतों का स्वागत किया और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

राज्यसभा में कार्तिकेय शर्मा ने उठाया हवाई यात्रियों के अधिकारों का मुद्दा

चंडीगढ़)। हरियाणा के राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने राज्यसभा में हवाई यात्रियों के अधिकारों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यात्रियों को उनके अधिकारों की स्पष्ट जानकारी और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है, ताकि उड़ान में देरी, रद्द होने या अन्य व्यवधान की स्थिति में वे भ्रम और असमंजस का शिकार न हों।

कार्तिकेय शर्मा ने सोमवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि प्रश्नकाल के दौरान कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र का तेज़ी से विस्तार हुआ है, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में यात्री, विशेष रूप से पहली बार हवाई यात्रा करने वाले, गैर-महानगरीय क्षेत्रों के यात्री, वरिष्ठ नागरिक और भाषा संबंधी कठिनाइयों का सामना करने वाले लोग अपने अधिकारों से अनजान रहते हैं। उन्होंने मंत्रालय पूछा कि यात्रियों को उड़ान में देरी की स्थिति में भोजन और जलपान, रात भर रुकने पर होटल सुविधा, उड़ान रद्द होने पर वैकल्पिक उड़ान या पूर्ण धनवापसी तथा ओवरबुकिंग की स्थिति में मुआवजा आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं। कार्तिकेय शर्मा ने सुझाव दिया कि यात्रियों के अधिकारों से संबंधित जानकारी को हवाई अड्डों, एयरलाइन काउंटरों, बोर्डिंग गेट्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ-साथ विमानों के भीतर सीटों के पीछे (सीट-बैक) भी प्रदर्शित किया जाना चाहिए, ताकि यात्री यात्रा के दौरान भी अपने अधिकारों को आसानी से जान सकें। सदन में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने डीजीसीए के नियमों और यात्री चार्टर के अंतर्गत उपलब्ध हवाई यात्रियों के प्रमुख अधिकारों की जानकारी दी, जिन्हें एयर सेवा पोर्टल के माध्यम से यात्रियों तक पहुँचाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने राज्य सभा सांसद के सवाल के जवाब में यात्रियों को दी जा रही अधिकारों की जानकारी के बारे में भी बताया।

धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा में विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक पेश किया

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को उच्चतर शिक्षण संस्थानों के लिए सरल नियामक प्रणालियों तैयार करने वाले विधेयक को पेश किया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा में 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025' पेश किया। विधेयक के अंतर्गत तीन परिषदों के साथ एक विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान की स्थापना की जाएगी।

सरकार ने इस विधेयक एक संयुक्त समिति को भेजने की मंशा जाहिर की है। शिक्षा मंत्री प्रधान ने बिल पेश करते हुए कहा कि यह कानून उच्च शिक्षा संस्थानों में मानक तय करने, रेगुलेशन को कोऑर्डिनेट करने और बेहतरीन काम, स्वायत्ता और पारदर्शी मान्यता को बढ़ावा देने के लिए 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान' स्थापित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह कानून विश्वविद्यालयों और दूसरे उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र सेल्फ-गवर्निंग संस्थान बनने में मदद करना चाहता है। बाद में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को सौंपने का प्रस्ताव कर रही है। उन्होंने कहा कि कई सांसदों ने आग्रह किया है कि यह एक बड़ा बिल है और उन्हें इस बिल पर और चर्चा करने की ज़रूरत है। इसलिए, सरकार इस बिल को जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव देती है। विधेयक में 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान' की स्थापना का उबंद है।

इसके अलावा तीन परिषदों का भी गठन किया जाएगा, जिनमें विकसित भारत शिक्षा विनियमन परिषद, विकसित भारत शिक्षा गुणवत्ता परिषद तथा विकसित भारत शिक्षा मानक परिषद शामिल हैं। इनका उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को शिक्षण, अध्ययन, शोध और नवाचार में उत्कृष्ट बनाना तथा शिक्षा के मानकों में बेहतर तालमेल और गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। यह विधेयक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद अधिनियम, 1987 और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अधिनियम, 1993 को समाप्त करने का भी प्रस्ताव करता है। 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान' एक शीर्ष संस्था होगी, जो उच्च शिक्षा के समग्र विकास के लिए दिशा-निर्देश देगी और सभी परिषदों के बीच समन्वय बनाए रखेगी। नियामक परिषद मानकों के पालन को देखेगी, गुणवत्ता परिषद प्रत्यायन व्यवस्था की निगरानी करेगी और मानक परिषद शैक्षणिक मानकों को तय करेगी।

इस अधिष्ठान में शिक्षाविदों, विषय विशेषज्ञों तथा केंद्र, राज्यों और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह विधेयक छात्रों को आत्मनिर्भर, कुशल और नवोन्मेषी बनाने पर जोर देता है। इसमें लचीली और बहु-विषयक शिक्षा, कौशल विकास, पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली और निष्पक्ष व्यवस्था का प्रावधान है।

साथ ही, यह विधेयक उच्च शिक्षण संस्थानों को अधिक स्वायत्तता देगा और अनेक नियामकों की जटिल प्रक्रियाओं को खत्म करेगा। पूरी व्यवस्था एक डिजिटल, एकल-खिड़की प्रणाली से चलेगी, जहां संस्थानों को अपनी जानकारी सार्वजनिक पोर्टल पर देनी होगी। यही जानकारी उनके मूल्यांकन और प्रत्यायन का आधार बनेगी।

स्वामी आदित्यानंद गिरी बने निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर

हरिद्वार। महामंडलेश्वर पट्टाभिषेक समारोह में वैदिक रीति-रिवाज के साथ आदित्यानंद गिरी को श्रीपंचायती निरंजनी अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया। आदित्यानंद गिरी ने अखाड़े की परंपरा और सनातन के प्रचार प्रसार के लिए पूरी निष्ठा से कार्यकरने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सोमवार को एसएमजेएन कॉलेज प्रांगण में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के तत्वावधान में आयोजित समारोह में आदित्यानंद गिरि महाराज ने कहा कि यह गौरवपूर्ण समय है। आज श्री पंचायती निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर पद पर मेरा पट्टाभिषेक किया गया है। उन्होंने कहा कि वे अखाड़े की परंपरा को आगे बढ़ाने तथा सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस अवसर पर अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी ने कहा कि अखाड़े के महामंडलेश्वर पद पर आसीन हुए आदित्यानंद गिरि जैसा युवा और दिव्य संत, हिंदू समाज को एक नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि अगली धर्म संसद जापान में होगी और शीघ्र ही अखाड़े का एक शिष्ट मंडल जापान जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष महंत प्रेम गिरी व महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी महाराज ने कहा कि अपनी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान महामंडलेश्वर स्वामी आदित्यानंद गिरि जापानी समाज को मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ धार्मिक लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर महंत महेश पुरी, महंत दर्शन भारती सहित देश-विदेश से संत-महात्मा, अखाड़ों के प्रतिनिधि, विद्वान आचार्य एवं सनातन धर्मावलंबी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

देश के प्रति सरदार पटेल की सेवाएं व योगदान बना चिरस्मरणीय अध्याय : मुख्यमंत्री योगी

भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी की।

योगी ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का यशस्वी नेतृत्व और लंबे समय तक प्राप्त होता लेकिन देश का दुर्भाग्य रहा कि 15 दिसंबर 1950 को उनका नश्वर शरीर जवाब दे गया। उनकी स्मृतियां, देश के प्रति सेवाएं व योगदान चिरस्मरणीय अध्याय बन गया। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के करमसद में सामान्य किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने परिश्रम से उच्च शिक्षा अर्जित की। इसके पीछे उनका उद्देश्य आजीविका प्राप्त कर विदेशी हुकुमूत की नौकरी करना नहीं, बल्कि देश-दुनिया को समझकर अपनी प्रतिभा व ऊर्जा का लाभ भारत मां के चरणों में समर्पित करना था। सरदार पटेल ने आजादी के आंदोलन को नेतृत्व दिया। कई बार जेल की यातनाएं सहीं, लेकिन आजादी के आंदोलन से विचलित नहीं हुए। देश जब आजाद हो रहा था, उस समय उन्होंने पुरजोर तरीके से भारत के विभाजन का विरोध किया। उन्होंने 567 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जूनागढ़ का नवाब व हैदराबाद का निजाम भारत गणराज्य में शामिल नहीं होना चाहते थे। जब देश आजाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने टू नेशन थ्योरी को लागू किया और देसी रियासतों को स्वतंत्रता दी कि वे चाहें तो भारत गणराज्य में शामिल हों, पाकिस्तान में शामिल हों या स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखें। सभी हिंदू रिसायतों ने भारत का हिस्सा बनने पर सहमति दी लेकिन जूनागढ़ का नवाब और हैदराबाद के निजाम ने मना कर दिया। सरदार पटेल की सूझबूझ के परिणाम स्वरूप उनके रक्तहीन क्रांति के माध्यम से दोनों रिसायतें भारत का हिस्सा बनीं। जूनागढ़ के नवाब और हैदराबाद के निजाम को देश छोड़कर भागना पड़ा।

योगी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर रियासत कहां शामिल हो, इसे लेकर असमंजस की स्थिति थी, तब जवाहर लाल नेहरू ने कहा कि मैं पहल करूंगा। जम्मू-कश्मीर पं. नेहरू के हाथों में था, लेकिन उन्होंने जम्मू-कश्मीर को इतना विवादित करने का कार्य किया कि आजादी के बाद से वह लगातार भारत को डसता रहा। पं. नेहरू के कारण उसी कश्मीर से देश को उग्रवाद, अलगाववाद प्राप्त हुआ था। देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी है, जिन्होंने लौहपुरुष व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए धारा-370 को समाप्त कर कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए एक देश में एक प्रधान, एक विधान और एक निशान के संकल्प को आगे बढ़ाया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गृहमंत्री के रूप में भारत में सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार, तमाम विवादों के समाधान के लिए तंत्र विकसित करने और भारत की प्रशासनिक सेवा को वर्तमान स्वरूप देने का कार्य भी लौहपुरुष के कारण हो पाया। सरदार पटेल का यशस्वी नेतृत्व और लंबे समय तक प्राप्त होता लेकिन देश का दुर्भाग्य रहा कि 15 दिसंबर 1950 को उनका नश्वर शरीर जवाब दे गया। उनकी स्मृतियां, देश के प्रति उनकी सेवाएं व योगदान हम सबके लिए चिरस्मरणीय अध्याय बन गया। हर भारतवासी बड़ी श्रद्धा, सम्मान के साथ भारत मां के महान सपूत लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने को तत्पर रहता है।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, अवनीश सिंह, पवन सिंह चौहान, लालजी प्रसाद निर्मल, उमेश द्विवेदी, विधायक ओपी श्रीवास्तव, आशीष सिंह 'आशु', भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, सरदार पटेल स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष राजेश्वरी देवी पटेल, महासचिव शशांक वर्मा आदि मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया

वाराणसी। सोमवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। धाम परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती रही, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार और मंगलाचरण के बीच बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने गर्भगृह में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के आचार्यों ने वैदिक परंपरा के अनुसार पूरे अनुष्ठान को संपन्न कराया। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वे बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से आए हैं और आज बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी पहुंचकर स्वयं को बहुत सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि काशी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने से मन को विशेष शांति और प्रसन्नता मिली है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि काशी आध्यात्म और संस्कृति की अनुपम नगरी है। यहां आकर आत्मिक ऊर्जा की अनुभूति होती है। उन्होंने बाबा विश्वनाथ से देश और प्रदेश की निरंतर उन्नति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री के दर्शन-पूजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तों में भी खास उत्साह देखने को मिला। उनके आगमन से पूरा धाम भक्तिमय माहौल में डूबा रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्सुकता दिखाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैदिक मंत्रोच्चार और मंगलाचरण के बीच बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने गर्भगृह में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के आचार्यों ने वैदिक परंपरा के अनुसार पूरे अनुष्ठान को संपन्न कराया।

दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वे बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से आए हैं और आज बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी पहुंचकर स्वयं को बहुत सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि काशी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने से मन को विशेष शांति और प्रसन्नता मिली है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि काशी आध्यात्म और संस्कृति की अनुपम नगरी है। यहां आकर आत्मिक ऊर्जा की अनुभूति होती है। उन्होंने बाबा विश्वनाथ से देश और प्रदेश की निरंतर उन्नति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री के दर्शन-पूजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तों में भी खास उत्साह देखने को मिला। उनके आगमन से पूरा धाम भक्तिमय माहौल में डूबा रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्सुकता दिखाई दी।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मारी कार को टक्कर, दो की मौत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में सोमवार की सुबह तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मसौली थाना क्षेत्र के बिरौली गांव स्थित समीर इंटरनेशनल स्कूल के पास एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे कार चालक बेटे और माँ की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चालक की पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को काटकर मृतकों के शवों को बाहर निकाला। वही गंभीर घायल महिला को हॉस्पिटल में भिजवाया। इस हादसे के बाद लखनऊ गोंडा राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। जो पुलिस के घंटो प्रयास के बाद हटवाया जा सका। स्थानीय लोगों के अनुसार अज्ञात वाहन की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर से कार पूरी क्षतिग्रस्त हो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे जा गिरी। कार चालक का शव कार में बुरी तरीके से फंस गया था। जिसे गैस कटर की मदद से काटकर बाहर निकाला गया। लखनऊ की ओर से कार से परिवार सहित अपने घर श्रावस्ती जा रहे। संतोष कुमार मिश्रा (40) उनकी माँ शांती देवी (65) की इस सड़क हादसे मे मौके पर ही मौत हो गई। जबकि संतोष की पत्नी संतोषी देवी (37) गंभीर घायल हो गई। जिनको इलाज के लिए चिकित्सालय रेफर कर दिया गया था।

काशी तमिल संगमम -4 : हनुमान घाट पर तमिलनाडु से आए आध्यात्मिक समूह ने किया गंगा स्नान व पूजन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में भाग लेने तमिलनाडु से आया आध्यात्मिक दल सोमवार को हनुमान घाट पहुंचा। जहां सभी ने पवित्र गंगा नदी में स्नान कर मां गंगा का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। गंगा स्नान के बाद समूह ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। सभी लोगों को गाइड ने मंदिरों के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इसके उपरांत सभी तमिल डेलीगेट हनुमान घाट स्थित तमिल महाकवि सुब्रमण्यम भारती के घर गए। वहां उनके परिवार के तीसरी पीढ़ी के सदस्यों से दल ने मुलाकात की। समूह के लोगों में तमिल महाकवि के बारे में काफी कुछ जानने की जिज्ञासा दिखी। उन्होंने सुब्रमण्यम भारती के घर के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और काफी कुछ वहां के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। सुब्रमण्यम भारती के घर पर भ्रमण करने के उपरांत यह समूह कांची मठ पहुंचा और वहां के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान हनुमान घाट इलाके में दक्षिण भारतीय मंदिर को देखकर दल उत्साहित दिखा। यह आध्यात्मिक ग्रुप अपने-अपने तरीके से काशी की व्याख्या कर रहा था। कोई अपने पूर्वजों को याद कर रहा था तो कोई संस्कृति को एक बताते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा था। समूह में शामिल वीके रमन ने बताया कि हमने मंदिरों का भ्रमण किया । यह देखकर आश्चर्यचकित हो गए कि काशी और तमिलनाडु में एक जैसी समानता है। यहां की संस्कृति हमारी संस्कृति एक है। इस तरह के आयोजन लगातार होने चाहिए ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार किया जा सके।

स्मार्ट मीटर लगवाने के लिए जबरदस्ती न की जाए : महिला व्यापार मंडल

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में महिला जिला उद्योग व्यापार मंडल (मिश्रा गुट) ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाध्यक्ष सोनी शुक्ला की अगुआई में सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा है।

ज्ञापन में कहा गया कि बिजली विभाग की ओर से घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जब पुराने मीटर ही सही से काम कर रहे हैं तो नए मीटर लगाने की क्या आवश्यकता है। नए स्मार्ट मीटर की गति बहुत तेज है, जिसकी वजह से बिल अधिक आ रहा है। यदि किसी जन मानस या व्यापारी के यहां कोई समस्या आ जाती और मासिक बिल जमा नहीं कर पता है तो उसके घर की बिजली बंद कर दी जाती हैं।

ऐसा नहीं होना चाहिए। ज्ञापन में कहा गया कि जो अपनी मर्जी से स्मार्ट मीटर लगवाना चाहे उसके यहां लगाए जाएं। जो नहीं लगवाना चाहता है उसकी यहां जबरदस्ती बिजली काटने की धमकी देकर स्मार्ट मीटर न लगाएं जाए। व्यापार मंडल इसका पूर्ण विरोध करता है।

मुठभेड़ में 50000 का इनामी बदमाश गिरफ्तार

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल की बनियाठेर थाना पुलिस ने मुठभेड़ में 50000 के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया था। इस दौरान एक सिपाही भी घायल हुआ है।

जनपद संभल की चंदौसी के बनियाठेर थाना पुलिस द्वारा ग्राम नेहटा के जंगल में चैकिंग के दौरान पुलिस मुठभेड़ में थाना भोजपुर जनपद मुरादाबाद पर पंजीकृत मु0अ0सं0 422/2025 धारा 309 (4) बीएनएस में प्रकाश में आये व वांछित अभियुक्त इमरान को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से पुलिस ने एक अवैध तमंचा 315 बोर, 02 जिन्दा, 02 खोखा कारतूस 315 बोर, एक मोटर साइकिल हीरो स्पलेन्डर बिना नम्बर बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा भागते हुए पुलिस पार्टी पर फायरिंग की गई जिसके जवाब में पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई फायरिंग में इमरान के पैर में गोली लगने से घायल हो गया तथा आरक्षी नीरज भी घायल हो गया दोनों घायलों को उपचार हेतु संयुक्त चिकित्सालय में भेजा गया है।

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी चन्दौसी व आस-पास के थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु अभियुक्त पर जनपद मुरादाबाद पुलिस द्वारा 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस विषय में जानकारी देते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी चंदौसी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह पुलिस नेहटा रोड़ से चंदौसी को जाने वाली रोड पर चेकिंग कर रही थी।

इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोकने पर उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस के द्वारा भी आत्मरक्षार्थ फायर किए गए जिसमें उसके गोली लगी। इस व्यक्ति का नाम इमरान है जो बरेली के अलीगंज थाने का रहने वाला है तथा भोजपुर के ग्राम पीपलसाना में लूट में वांछित चल रहा था। इस पर 50000 का इनाम घोषित है। इससे एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं और घटनास्थल पर दो खोखा कारतूस बरामद हुए हैं।

सेवा निवृत दरोगा पर बेटी की हत्या का आरोप प्रेमी ने दर्ज कराया मुकद्दमा, कंकाल बरामद

आगरा। उत्तर प्रदेश पुलिस से सेवानिवृत दरोगा ने प्रेम संबंध से नाराज होकर अपनी बेटी की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को यमुना नदी में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपित पिता की निशानदेही पर यमुना किनारे से मृतका के शव अवशेष बरामद किए हैं। मृतका के प्रेमी ने आगरा में दरोगा और परिजनों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कराया है।

घटना आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र की है, जहां विनायक गार्डन निवासी रनवीर सिंह यादव (65) उत्तर प्रदेश पुलिस में दरोगा के पद से सेवानिवृत हो चुके हैं। उनकी पुत्री कु0 अंशु यादव(35) अपने पड़ोसी युवक से प्रेम करती थी और उससे विवाह करना चाहती थी। रनवीर और परिवार के अन्य सदस्य इस रिश्ते से नाखुश थे। युवती के बार-बार समझाने पर भी न मानने पर परिजनों ने मिलकर अंशु की गला दबा कर उसकी हत्या कर दी और शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे जनपद इटावा ले जाकर यमुना नदी में फेंक दिया। रनवीर ने थाना मलपुरा में अपनी पुत्री के गायब हो जाने के संबंध में गुमशुदगी दर्ज कराई थी, जिसमें 30 अक्टूबर 2025 से लड़की का कोई पता न चलने की बात कही गई है। इस मामले का का खुलासा तब हुआ जब अंशु के प्रेमी अनुराग यादव ने पुलिस को अंशु के कुछ पुराने वीडियो दिखाते हुए अंशु की हत्या के लिए उसके पिता रनवीर को ही जिम्मेदार बताया। इन वीडियो में अंशु ने परिजनों पर अपनी हत्या की आशंका की बात कही गई है।

पुलिस द्वारा लड़की को ढूंढने के काफी प्रयास करने के बाद भी कोई सफलता न मिलने पर शक की सुई पिता की तरफ भी गई,जिसकी पुष्टि प्रेमी अनुराग यादव ने कर दी। अनुराग यादव की तहरीर पर थाना मलपुरा में रविवार देर शाम अभियोग पंजीकृत किया गया है। पिता रनवीर,साले और कुछ अन्य परिजनों सहित नौ लोगों को हिरासत में लिया गया। जब मृतका के पिता रनवीर और अन्य से कड़ाई से पूछताछ की गई तो वे टूट गये और घटनाक्रम को सिलसिलेवार बताया कि बेटी अंशु के पड़ोस में रहने वाले और दूर के भतीजे अनुराग यादव से प्रेम संबंध थे तथा विवाह करना चाहती थी। जिसको हम लोग पसंद नहीं करते थे और कई बार समझाया भी लेकिन वो नहीं मानी। तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। शव को छुपाने और फेंकने के लिए रनबीर अपनी ससुराल जसवंत नगर (इटावा) पहुंचा जहां ससुराली जनों की मदद से यमुना नदी के किनारे ले जाकर शव को फेंक दिया। शव नदी में न जाकर झाड़ियां में अटक गया।

रविवार रात आगरा से थाना मलपुरा पुलिस एसडीआरएफ टीम, और इटावा की थाना बढ़पुरा पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए रनवीर की निशानदेही पर जनपद इटावा के थाना बढ़पुरा अंतर्गत ग्वालियर बाईपास पर ग्राम सुनवारा के निकट यमुना नदी के किनारे से झाड़ियां में फंसा हुआ मानव कंकाल शव अवशेष के रूप में बरामद कर आगरा लाया गया। शव काफी पुराना होने के कारण केवल कंकाल रह गए हैं। इसलिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा।

सोमवार को थाना मलपुरा प्रभारी विनोद मिश्रा द्वारा बताया गया कि रनवीर सिंह की निशानदेही पर इटावा से एक शव कंकाल बरामद किया गया है जो मृतका अंशु यादव का बताया जा रहा है। इसका डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। अभियोग पंजीकृत किया गया है। इस संबंध में मृतका के पिता सहित नौ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ एवं विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस इस मामले में अन्य परिजनों की भूमिका की जांच कर रही है।

वाराणसी में जमीन से आसमान तक घने कोहरे की चादर तनी, वाहनों की रफ्तार पर लगा ब्रेक

ठंड और धुंध में सुबह स्कूल जाने में बच्चे कुनमुनाए, गलन ने भी दी दस्तक

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी सहित पूर्वांचल के जिलों में सोमवार को सुबह 8.30 तक घने कोहरे की चादर जमीन से लेकर आसमान तक तनी रही। सड़कों पर घने कोहरे के चलते चंद कदम की दूरी भी धुंधली नजर आ रही थी।

मौसम विभाग के चेतावनी के अनुरूप ही शनिवार शाम से कोहरे छाने लगा था। रात गहराने के साथ कोहरा और घना होता चला गया। घने कोहरे और सर्द मौसम में सुबह स्कूल जाते समय छोटे बच्चे कुनमुनाते (नाराजगी जाते) दिखे। वहीं,कई बच्चों को जबरन अभिभावक स्कूल ले जाते दिखे। घने कोहरे के चलते वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई। सुबह आठ बजे तक चार पहिया वाहन चालक फॉग लाइट जलाकर चलते नजर आए, वहीं बाइक चालकों को वाहन चलाने में परेशानी हो रही थी। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फिलहाल आने वाले दिनों में मौसम में किसी प्रकार के बदलाव की संभावना नही है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है।

इससे पुरवा हवा चलेगी और बादल छाए रहेंगे। आने वाले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बावजूद कोहरा पूर्वांचल में और घना हो सकता है। पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद मैदानी भागों में गलन और बढ़ेगी। सोमवार को सुबह 10 बजे वाराणसी में अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस रही। दृष्यता शून्य फीसद तो आद्रता 54 फीसद रही। बीते चौबीस घंटों में अधकितम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज कयिा गया जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम रहा।

अरुण जेटली स्टेडियम के बाहर गूंजे 'मेस्सी, मेस्सी' के नारे, उमड़ा फैंस का सैलाब

मेस्सी ने भारत दौरे के आखिरी चरण दिल्ली में फुटबॉल प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध किया

नई दिल्ली। लियोनेल मेस्सी के बहुप्रतीक्षित 'जीओएटी इंडिया टूर' की शुरुआत भले ही अव्यवस्थित ढंग से हुई हो लेकिन इसका समापन दिल्ली में शानदार तरीके से हुआ जहां प्रशंसक अपने चहेते खिलाड़ी की झलक पाकर खुशी से झूम उठे। प्रशंसकों ने उस शख्स का दीदार किया जो मैदान पर अक्सर 'बेजोड़' प्रदर्शन करता है।

कोलकाता में शनिवार को अराजक शुरुआत के बाद सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि व्यापक रूप से प्रचारित और बहुप्रतीक्षित इस कार्यक्रम का अंत वैसा ही हुआ जैसा आयोजक चाहते थे कोटला (अरुण जेटली स्टेडियम) की दर्शक दीर्धा में उमड़ी हजारों की भीड़ के साथ ही मैदान के अंदर मौजूद कुछ भारतीय हस्तियां और गणमान्य व्यक्ति दुनिया के सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक की मेजबानी के उत्साह में सराबोर थे। प्रशंसक इस खिलाड़ी की अलौकिक प्रतिभा, विनम्रता और उस प्रभाव से अभिभूत थे, जो उन्होंने पिछले दो दशकों में अपने दम पर इस खेल को दिया है। स्पेनिश भाषा में संक्षिप्त संबोधन में मेस्सी ने कहा, ''ग्रासियस दिल्ली! हास्ता प्रोंतो (धन्यवाद दिल्ली, जल्द मिलते हैं)''। शहर के अधिकांश लोग स्पेनिश भाषा को नहीं समझते लेकिन इसके बावजूद उनके इन शब्दों ने दर्शकों में एक ऐसी ललक और उत्साह पैदा कर दिया जो पहले शायद ही कभी देखा गया हो। मेस्सी ने स्टेडियम पहुंचने के बाद मैदान का एक चक्कर लगाया और सात-सात खिलाड़ियों के मैच को खत्म होते देखा। स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक अर्जेंटीना की प्रसिद्ध नीली और सफेद जर्सी (नंबर 10) पहने हुए थे और लगातार 'मेस्सी मेस्सी' का नारा लगा रहे थे। मेस्सी दर्शकों की ओर हाथ हिलाते हुए मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने कोलकाता में भी ऐसा करने की कोशिश की थी, लेकिन शनिवार को वह सॉल्ट लेक स्टेडियम में राजनेताओं और उनके सहयोगियों से घिर गये थे। दिल्ली में हालांकि ऐसी स्थिति नहीं थी। मेस्सी को इस दौरान इंटर मियामी टीम के अपने साथी लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल के साथ स्टैंड्स की ओर गेंद को किक करते हुए देखा गया। इस आयोजन स्थल पर लगभग 25,000 की उपस्थिति दर्ज की गई। मेस्सी ने इस दौरान मिनर्वा अकादमी फुटबॉल टीम का भी सम्मान किया।

करीब 30 मिनट के इस कार्यक्रम के अंत में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह, डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया को मेस्सी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मेस्सी इससे पहले अपने दौरे के आखिरी चरण के लिये काफी विलंब से यहां पहुंचे। मुंबई से उनकी उड़ान खराब मौसम के कारण काफी देरी से पहुंची । तीन दिवसीय भारत दौरे के दूसरे दिन मेस्सी मुंबई में थे और उन्हें सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर दिल्ली पहुंचना था लेकिन कोहरे के कारण उनकी चार्टर्ड उड़ान में विलंब हुआ । वह दोपहर दो बजकर 30 मिनट पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद सीधे लीला पैलेस होटल चले गये । उन्होंने वहां चुनिंदा लोगों के साथ मुलाकात की।

हार्मर और शेफाली वर्मा बने नवंबर के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने नवंबर के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की घोषणा कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर साइमन हार्मर को पुरुष वर्ग में, जबकि भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को महिला वर्ग में यह सम्मान दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के 36 वर्षीय ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने बांग्लादेश के ताइजुल इस्लाम और पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार अपने नाम किया। हार्मर को यह सम्मान भारत के खिलाफ खेली गई दो मैचों की आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए मिला। हार्मर ने इस सीरीज में कुल 17 विकेट झटके और दक्षिण अफ्रीका को भारत में 25 साल बाद पहली टेस्ट सीरीज जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। कोलकाता टेस्ट में उन्होंने 4/30 और 4/21 के आंकड़े दर्ज किए, जबकि गुवाहाटी टेस्ट में 3/64 और शानदार 6/37 की गेंदबाजी की। पूरी सीरीज में उनका औसत 8.94 और इकॉनमी 1.91 रही। अवॉर्ड मिलने पर हार्मर ने कहा कि देश के लिए खेलना उनके लिए गर्व की बात है और इस उपलब्धि का श्रेय वह अपनी टीम, कोचिंग स्टाफ और परिवार को देते हैं। भारतीय महिला टीम की ओपनर शेफाली वर्मा ने थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग और यूएई की एशा ओजा को पछाड़ते हुए पहली बार आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीता। खास बात यह रही कि शेफाली को चोटिल प्रतीका रावल के स्थान पर लेट रिप्लेसमेंट के तौर पर वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया था। महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में शेफाली ने 78 गेंदों पर 87 रन की शानदार पारी खेली, जो महिला वर्ल्ड कप फाइनल में किसी भारतीय ओपनर का सर्वोच्च स्कोर है। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके अलावा शेफाली ने गेंदबाजी में भी अहम योगदान देते हुए सुने लूस और मरिज़ाने कैप के विकेट चटकाए। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। शेफाली ने कहा कि उनका पहला वर्ल्ड कप अनुभव उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन अंत बेहद यादगार रहा। उन्होंने इस सम्मान को टीम की ऐतिहासिक विश्व कप जीत और घरेलू दर्शकों के सामने मिली सफलता को समर्पित किया। इस तरह नवंबर, 2025 में हार्मर और शेफाली ने अपने-अपने शानदार प्रदर्शन से आईसीसी के सर्वोच्च मासिक सम्मान पर कब्जा जमाया।

एडिलेड ओवल में तीसरा एशेज टेस्ट बुधवार से, मुकाबले के लिए लियोन की वापसी तय

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने आगामी तीसरे एशेज टेस्ट से पहले साफ कहा है कि उन्हें किसी को भी कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। बुधवार से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए लियोन की वापसी तय मानी जा रही है, जहां गर्म मौसम और सूखी पिच स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल रहने की उम्मीद है। नाथन लियोन एक बड़े व्यक्तिगत रिकॉर्ड के भी करीब हैं। उनके नाम फिलहाल 562 टेस्ट विकेट हैं और वे महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा (563 विकेट) के रिकॉर्ड से सिर्फ एक विकेट पीछे हैं। 140 टेस्ट मैच खेल चुके लियोन को पिछले तीन मैचों में से दो में प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया था। हालांकि, तीसरे टेस्ट में उनके खेलने की प्रबल संभावना है, जहां ऑस्ट्रेलिया 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगा। इस मैच में पैट कमिंस भी कप्तान के रूप में वापसी करेंगे। लियोन ने सोमवार को पत्रकारों से कहा,''व्यक्तिगत तौर पर यह निराशाजनक था, लेकिन मैंने 140 टेस्ट खेले हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी को कुछ साबित करना है। मुझे अपनी भूमिका साफ तौर पर पता है। मुझे ड्रेसिंग रूम में सभी के साथ खेलना और ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना बेहद पसंद है।'' उन्होंने आगे कहा, ''अगर मुझे फिर से मौका मिलता है, तो मैं वही करता रहूंगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते रहना मेरा सपना है। किसी को भी चयन का स्थायी अधिकार नहीं होता। आपको कड़ी मेहनत करनी होती है ताकि आप चयन के हकदार बन सकें।'' सोमवार का दिन लियोन के लिए खास भी रहा, क्योंकि उन्हें औपचारिक रूप से एडिलेड ओवल की 'एवेन्यू ऑफ ऑनर' में शामिल किया गया। यह वही मैदान है, जहां वे कभी ग्राउंड स्टाफ के रूप में काम किया करते थे।

अगले साल 26 मार्च से होगा PSL : पीसीबी

कराची। पाकिस्तान सुपर लीग का 11वां सत्र अगले साल 26 मार्च से तीन मई तक खेला जायेगा और लगातार दूसरी बार यह उसी समय होगा जब इंडियन प्रीमियर लीग खेला जाता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने न्यूयॉर्क मे पीएसएल रोडशो के दौरान यह घोषणा की। आईपीएल भी मार्च के आखिरी सप्ताह से शुरू होकर मई के आखिर तक चलता है। नकवी ने कहा कि इस अवधि में पाकिस्तान टीम के किसी भी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में बदलाव किया जायेगा। पाकिस्तान को मार्च अप्रैल में बांग्लादेश में दो टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस साल भारत और श्रीलंका में फरवरी मार्च में टी20 विश्व कप भी होना है।

वानखेड़े में पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी टी-20 सीरीज

16 से 18 दिसंबर तक होंगे मुकाबले

मुंबई। मुंबई का प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम 16 से 18 दिसंबर के बीच एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक क्रिकेट आयोजन की मेजबानी करेगा। यहां पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी टी-20 सीरीज का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी तीनों मुकाबले इसी मैदान पर खेले जाएंगे। यह आयोजन समावेशिता, साहस और खेल भावना का सशक्त संदेश देगा।

तीन दिवसीय इस टी20 सीरीज का उद्देश्य शारीरिक रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा, मेहनत और जज्बे को मंच देना है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट की बढ़ती पहचान के बीच वानखेड़े स्टेडियम जैसे ऐतिहासिक मैदान पर यह सीरीज़ एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के महासचिव उन्मेष खानविलकर ने कहा, ''पहली बार फिजिकल डिसएबिलिटी क्रिकेट सीरीज़ की मेजबानी करना एमसीए के लिए गर्व का क्षण है। यह आयोजन न सिर्फ खिलाड़ियों के जज्बे का सम्मान करता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि क्रिकेट हर किसी का खेल है। हमारे अध्यक्ष अजिंक्य नाइक दिव्यांग क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और एमसीए भविष्य में भी हरसंभव सहयोग करता रहेगा।'' डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के महासचिव रवि चौहान ने कहा, ''हमारे खिलाड़ियों के लिए यह बेहद खास मौका है।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

व्हील्स इंडिया ने जापान की टोपी इंडस्ट्रीज के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। व्हील्स इंडिया ने एल्युमीनियम मिश्र धातु के पहियों के डिजाइन, विकास एवं निर्माण के लिए जापान की टोपी इंडस्ट्रीज के साथ एक तकनीकी सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि समझौते के तहत टोपी, व्हील्स इंडिया के 'कास्ट एल्युमिनियम व्हील' व्यवसाय के डिजाइन एवं विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए तकनीकी जानकारी और इंजीनियरिंग सहायता प्रदान करेगी। व्हील्स इंडिया के प्रबंध निदेशक श्रीवत्स राम ने कहा, '' इस समझौते से व्हील्स इंडिया को एल्युमीनियम पहियों के क्षेत्र में तकनीकी विशेषज्ञता हासिन करने की उम्मीद है। हमें विश्वास है कि यह समझौता हमें नए कारोबार हासिल करने और एल्युमीनियम क्षेत्र में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक मजबूत करने में मदद करेगा।

देश का निर्यात नवंबर में 19.37% बढ़कर 38.13 अरब डॉलर

नई दिल्ली। देश का निर्यात नवंबर में 19.37 प्रतिशत बढ़कर 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया और आयात 1.88 प्रतिशत घटकर 62.66 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि नवंबर में हुए निर्यात ने इस वर्ष अक्टूबर में हुए नुकसान की भरपाई कर दी। उन्होंने कहा कि नवंबर में 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात पिछले 10 वर्ष में सबसे अधिक है। नवंबर में व्यापार घाटा 24.53 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

राजस्थान में 300 मेगावाट की सौर परियोजना को बिजली पारेषण में कोई बाधा नहीं: सोलर

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि राजस्थान में उसकी 300 मेगावाट की सौर परियोजना के लिए पारेषण सुविधा उपलब्ध है और उसे बिजली पारेषण से जुड़ी किसी भी प्रकार की बाधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। राज्य में कुछ सौर परियोजनाएं फिलहाल अस्थायी सामान्य नेटवर्क पहुंच (टी-जीएनए) ढांचे के तहत बिजली की आपूर्ति कर रही हैं, क्योंकि उनसे संबंधित पारेषण प्रणालियां अभी तक चालू नहीं हो पाई हैं। एक्मे को ऐसी किसी भी बाधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। कंपनी ने कहा कि एक्मे सीकर सोलर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित उसकी 300 मेगावाट की सौर परियोजना को दीर्घकालिक पहुंच के लिए सामान्य नेटवर्क पहुंच (जीएनए) प्रभावशीलता की मंजूरी मिल चुकी है। यह अपनी पूरी 300 मेगावाट क्षमता का पारेषण कर रही है।

साहसिक सोच और अथक प्रयासों ने भारत के ऊर्जा क्षेत्र को बदल दिया: गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र के पिछले 11 वर्षों का सफर इस बात का सबूत है कि साहसिक दृष्टिकोण, ईमानदार इरादे और लगातार काम करने से किसी देश की किस्मत बदली जा सकती है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि पत्रकार साथियों के साथ देश के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनकारी यात्रा को साझा किया। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले ऊर्जा क्षेत्र घोटालों, चुनौतियों और सीमित आपूर्ति से जूझ रहा था, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में निर्णायक प्रगति कर रहा है। गोयल ने संवाददातों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन, सौर एवं पवन ऊर्जा में अभूतपूर्व विस्तार, मजबूत पावर ग्रिड, हर घर बिजली व गैस सिलेंडर और विस्तृत गैस पाइपलाइन नेटवर्क जैसी उपलब्धियां मोदी सरकार की जनसेवा, अंत्योदय और ईमानदार नीतिगत प्रयासों का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पावर सेक्टर ट्रांसफॉर्मेशन के 5 स्तंभ हैं, जिसमें सभी तक पहुंच, किफायती, उपलब्धता, वित्तीय व्यवहार्यता और स्थिरता तथा वैश्विक जिम्मेदारी प्रमुख है। उन्होंने कहा कि हमारे नेशनल पावर ग्रिड की वजह से भारत डेटा सेंटर्स के लिए एक पसंदीदा जगह है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर कहा कि देश न सिर्फ भारत के लौह पुरुष को याद करता है, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी नेता को भी याद करता है जो चाहते थे कि देश राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और यूपीए के कार्यकाल में भारत का ऊर्जा क्षेत्र ब्लैकआउट और पावर कट का प्रतीक बन गया था। जबकि, प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में सभी को सुचारू रूप से बिजली पहुंच रही है।

गोयल ने अपने संबोधन में भरोसा जताया कि जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, देश का एनर्जी सेक्टर स्केल, स्पीड और सस्टेनेबिलिटी को एक साथ मैनेज करने में एक ग्लोबल केस स्टडी बनकर उभरेगा।

सोने का वायदा भाव 1,35,496 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के बीच सोमवार को वायदा कारोबार में सोने की कीमतें 1,874 रुपये चढ़कर 1,35,496 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में फरवरी आपूर्ति वाला सोना अनुंबध 1.4 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,35,496 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले एक सप्ताह में सोने की वायदा कीमतों में 3,160 रुपये यानी 2.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। चांदी की वायदा कीमतों में भी मजबूती देखने को मिली। एमसीएक्स पर मार्च 2026 आपूर्ति वाली चांदी 5,255 रुपये यानी 2.72 प्रतिशत चढ़कर 1,98,106 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। हालांकि, यह शुक्रवार को छुए गए अपने अब तक के उच्चतम स्तर 2,01,615 रुपये प्रति किलोग्राम से नीचे रही। पिछले सप्ताह के दौरान चांदी की कीमत में 9,443 रुपये यानी 5.15 प्रतिशत की तेज उछाल आई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस सप्ताह वैश्विक स्तर पर कई अहम आर्थिक घटनाक्रम बाजार की दिशा तय करेंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के जिंस विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, ₹फेडरल रिजर्व के अधिकारियों के वक्तव्य, विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के शुरुआती पीएमआई आंकड़े, अमेरिकी रोजगार से जुड़े आंकड़े और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े बाजार में उतार-चढ़ाव ला सकते हैं।₹ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं में मजबूती देखने को मिली। कॉमेक्स पर फरवरी आपूर्ति वाला सोना 52.2 डॉलर यानी 1.21 प्रतिशत बढ़कर 4,380.5 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह के दौरान इसमें 85.3 डॉलर या 2.01 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। वहीं, कॉमेक्स में मार्च आपूर्ति वाली चांदी 1.74 डॉलर यानी 2.80 प्रतिशत बढ़कर 63.74 डॉलर प्रति औंस पर रही। शुक्रवार को यह 65 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गई थी।

चीनी उत्पादन 2025-26 में अब तक 28% बढ़ा, मिलों की न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। भारत का चीनी उत्पादन चालू सत्र 2025-26 में अब तक 28.33 प्रतिशत बढ़कर 77.90 लाख टन हो गया है। हालांकि सहकारी चीनी मिलों के महासंघ ने सरकार से न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाने की मांग की है। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि बाजार भाव में गिरावट और लागत में वृद्धि के कारण किसानों को होने वाले भुगतान पर खतरा मंडरा रहा है। किसानों के स्वामित्व वाली मिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (एनएफसीएसएफ) ने कहा कि सत्र की शुरुआत से अब तक चीनी कीमतों में लगभग 2,300 रुपये प्रति टन की गिरावट आई है और ये अब करीब 37,700 रुपये प्रति टन के स्तर पर बनी हुई हैं। एनएफसीएसएफ के आंकड़ों के अनुसार 15 दिसंबर तक देश की 479 चालू चीनी मिलों ने 77.90 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है, जबकि एक साल पहले 473 मिलों ने 60.70 लाख टन चीनी का उत्पादन किया था। महासंघ ने एक बयान में कहा कि गन्ना पेराई 25.6 प्रतिशत बढ़कर 900.75 लाख टन हो गई है। देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 16.80 लाख टन से बढ़कर 31.30 लाख टन हो गया है, जबकि उत्तर प्रदेश में उत्पादन 22.95 लाख टन से बढ़कर 25.05 लाख टन पर पहुंच गया है। कर्नाटक में 15 दिसंबर तक चीनी उत्पादन सालाना आधार पर 13.50 लाख टन से बढ़कर 15.50 लाख टन हो गया है। महासंघ ने सरकार से न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर 41 रुपये प्रति किलोग्राम करने और एथनॉल उत्पादन के लिए अतिरिक्त पांच लाख टन चीनी भेजने की अनुमति देने की मांग की है। इससे चीनी मिलों को लगभग 20 अरब रुपये की अतिरिक्त आय हो सकती है। महासंघ ने चालू सत्र के लिए 15 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति देने के सरकार के फैसले का स्वागत किया, लेकिन कहा कि केवल इससे मिलों के सामने मौजूद नकदी संकट का समाधान नहीं होगा।

विरुपाक्षा ऑर्गेनिक्स लिमिटेड, सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने ओरवाकल में किया निवेश

अमरावती। हैदराबाद स्थित दो कंपनियों विरुपाक्षा ऑर्गेनिक्स लिमिटेड और सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड, ओरवाकल में निवेश के साथ अपनी सेवाओं का विस्तार कर रही हैं। आंध्र प्रदेश सरकार ने सोमवार यह जानकारी दी। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, '' आंध्र प्रदेश दवा विनिर्माण के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति को तेजी से मजबूत कर रहा है। इसके तहत हैदराबाद स्थित विरुपाक्षा ऑर्गेनिक्स लिमिटेड और सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कुरनूल जिले के ओरवाकल में अपने परिचालन का विस्तार कर रही हैं।'' विरुपाक्षा ऑर्गेनिक्स को ओरवाकल नोड के आईपी गुट्टापाडु क्लस्टर में 100 एकड़ से अधिक भूमि के आवंटन की मंजूरी मिल गई है ताकि एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट (एपीआई) और जैविक रसायनों की विनिर्माण सुविधा स्थापित की जा सके। विज्ञप्ति में कहा गया कि इसमें 1,225 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है जिससे अप्रत्यक्ष रोजगार के अलावा करीब 1,500 प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है। इसी तरह सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड फार्मास्युटिकल एक्सिपिएंट्स की एक अग्रणी निर्माता कंपनी है।

देश का वनस्पति तेल आयात नवंबर में 28 % गिरकर 11.83 लाख टन पर

नई दिल्ली। देश का वनस्पति तेल आयात नवंबर महीने में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत की तेज गिरावट के साथ 11.83 लाख टन रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से रिफाइंड पामोलीन के आयात में भारी कमी आने से आई है। उद्योग निकाय एसईए ने सोमवार को यह जानकारी दी। तेल एवं तिलहन उद्योगों के संगठन 'सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स ऑफ इंडिया' (एसईए) ने कहा कि नए तेल सत्र नवंबर 2025-अक्टूबर 2026 के पहले महीने नवंबर में दुनिया के सबसे बड़े वनस्पति तेल आयातक भारत ने खाद्य और गैर-खाद्य तेल मिलाकर 11.83 लाख टन का आयात किया, जबकि नवंबर 2024 में यह आंकड़ा 16.50 लाख टन था। कुल पाम तेल आयात भी नवंबर महीने में 25 प्रतिशत घटकर 6.32 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 8.42 लाख टन था। खासकर खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले आरबीडी पामोलीन का आयात तेज गिरावट के साथ नवंबर में मात्र 3,500 टन रहा, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 2.85 लाख टन था। कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात भी घटकर 1.42 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले 3.40 लाख टन था। वहीं, कच्चे सोयाबीन तेल का आयात 4.07 लाख टन से घटकर 3.70 लाख टन हो गया। कच्चे पाम कर्नेल तेल का आयात भी घटकर 1,850 टन रह गया, जबकि पिछले साल यह 10,147 टन था। हालांकि, कच्चे पाम तेल का आयात बढ़कर 6.26 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले 5.47 लाख टन था। इसी तरह कैनोला तेल का आयात भी बढ़कर 5,000 टन रहा, जो पिछले वर्ष मात्र 22 टन था।

इमोशनल अवतार में दिखे कार्तिक आर्यन, 'तू मेरी मैं तेरा' का नया गाना रिलीज

बॉलीवुड के रोमांटिक हीरो कार्तिक आर्यन एक बार फिर प्यार और टूटे दिल की कहानी लेकर बड़े पर्दे पर लौटने को तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में उनके साथ अनन्या पांडे लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म का टाइटल ट्रैक पहले ही दर्शकों के बीच खासा चर्चित हो चुका है और अब मेकर्स ने दूसरा गाना 'तेनु ज्यादा मोहब्बत' रिलीज कर दिया है, जो सीधे दिल को छू जाता है।

टूटे दिल की कहानी बयां करता है 'तेनु ज्यादा मोहब्बत'

नया गाना 'तेनु ज्यादा मोहब्बत' सारेगामा के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस दर्दभरे ट्रैक को पंजाबी सिंगर तलविंदर सिंह सिद्धू ने अपनी आवाज़ दी है। गाने में कार्तिक आर्यन का किरदार बेहद भावुक नजर आता है, जहां वह शराब के नशे में डूबा अपने टूटे हुए दिल का दर्द बयां करता दिखाई देता है। इससे इशारा मिलता है कि फिल्म की कहानी में एक ऐसा मोड़ आएगा, जहां प्यार गहरे जख्म दे जाता है।

फिल्म का निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है। रोमांस, इमोशन और म्यूजिक से सजी 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' इस साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। दिल टूटे आशिकों के लिए यह फिल्म और इसका नया गाना खास साबित हो सकता है।

बच्चों को सोशल मीडिया और मोबाइल से दूर रखना जरूरी: सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड के जाने-माने चेहरा जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा कपल मेटा मेटामॉर्फोसिस मास मीडिया सेलिब्रेशन में शामिल हुए, जहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन लगाने के फैसले पर खुलकर अपनी राय रखी। इस मुद्दे पर सोनाक्षी और जहीर के विचार अलग-अलग नजर आए, लेकिन दोनों का फोकस बच्चों की सुरक्षा पर ही रहा। सोनाक्षी सिन्हा ने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें लगता है यह कानून भारत में भी लागू होना चाहिए। उनके मुताबिक बच्चों को एक तय उम्र तक सोशल मीडिया और मोबाइल फोन से पूरी तरह दूर रखना जरूरी है। अभिनेत्री ने कहा कि जब तक बच्चा सही और गलत में फर्क करने लायक न हो जाए, तब तक उसे सोशल मीडिया की दुनिया में नहीं झोंकना चाहिए। सोनाक्षी का मानना है कि कम उम्र में सोशल मीडिया बच्चों के मानसिक विकास और सोच पर नकारात्मक असर डाल सकता है, इसलिए सख्त नियमों की जरूरत है। वहीं जहीर इकबाल का नजरिया थोड़ा अलग रहा। उन्होंने पूरी तरह बैन लगाने के बजाय माता-पिता की जिम्मेदारी पर जोर दिया। जहीर ने अपने घर का उदाहरण देते हुए बताया कि उनकी भतीजी के पास आईपैड जरूर है, लेकिन उसमें सिर्फ बच्चों के लिए सुरक्षित कंटेंट ही उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चे जो चाहें, वो नहीं देख सकते, बल्कि माता-पिता को यह तय करना चाहिए कि उनके सामने क्या परोसा जा रहा है। जहीर के मुताबिक सोशल मीडिया या टेक्नोलॉजी को पूरी तरह बंद करना समाधान नहीं है, बल्कि सही तरीके से उसे नियंत्रित करना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, माता-पिता को और ज्यादा सतर्क रहना चाहिए और यह देखना चाहिए कि उनका बच्चा ऑनलाइन क्या देख और सीख रहा है। इसी बातचीत के दौरान सोनाक्षी ने सोशल मीडिया पर बढ़ती ट्रोलिंग पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज के समय में खुलेआम किसी को भी अपमानित करना बेहद आम हो गया है और इसके लिए सख्त कानून बनाए जाने चाहिए। बता दें कि बॉलीवुड के पावर कपल जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा न सिर्फ अपनी फिल्मों बल्कि सोशल मीडिया पर भी खासे एक्टिव रहते हैं। दोनों अक्सर अपने मस्ती भरे वीडियो और बेबाक विचारों के चलते सुर्खियों में रहते हैं।

'किस किसको प्यार करूं 2' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन आया सामने

कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' ने 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में एंट्री तो ली, लेकिन शुरुआत से ही इसे दर्शकों और समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। पहले दिन कमजोर ओपनिंग के बाद फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं और कई लोगों ने यहां तक कह दिया कि कपिल को फिल्मों के बजाय अपने कॉमेडी शो पर ही फोकस करना चाहिए। उम्मीदों के उलट, फिल्म पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर खास असर नहीं छोड़ सकी। बॉक्स ऑफिस पर 'किस किसको प्यार करूं 2' की रफ्तार बेहद सुस्त नजर आ रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को सिर्फ 2.85 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे पहले शनिवार को यह आंकड़ा 2.50 करोड़ रुपये रहा था, जबकि ओपनिंग डे पर फिल्म महज 1.85 करोड़ रुपये ही जुटा पाई थी। इस तरह तीन दिनों में फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन सिर्फ 7.20 करोड़ रुपये तक पहुंच पाया है, जो उम्मीदों से कहीं कम माना जा रहा है। साल 2015 में रिलीज हुई कपिल शर्मा की पहली फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। उस फिल्म ने पहले दिन 10.20 करोड़, दूसरे दिन 8.60 करोड़ और तीसरे दिन 10 करोड़ रुपये कमाए थे। इन आंकड़ों के सामने 'किस किसको प्यार करूं 2' की कमाई काफी फीकी नजर आती है। 10 साल बाद आए इस सीक्वल में कपिल का कॉमेडी जादू इस बार दर्शकों को लुभाने में नाकाम साबित होता दिख रहा है।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

ग्वाटेमाला में हिंसा में कम से कम पांच लोगों की मौत के बाद आपातकाल घोषित

ग्वाटेमाला सिटी। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो एरेवालो ने पश्चिमी ग्वाटेमाला की दो नगरपालिकाओं में आपातकाल लागू किए जाने की रविवार को घोषणा की। ग्वाटेमाला में सशस्त्र लोगों द्वारा एक सैन्य चौकी एवं एक पुलिस थाने पर हमला किए जाने, सड़कों को अवरुद्ध किए जाने और बसों का अपहरण किए जाने के एक दिन बाद यह घोषणा की गई। इन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। एरेवालो ने कहा कि आपराधिक गिरोह सुरक्षा बलों को पीछे हटने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे क्षेत्र पर नियंत्रण कर सकें। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करेगी। एरेवालो सरकार ने पहली बार आपातकाल घोषित किया है जो सोलोला विभाग सांता कैटरीना इक्स्टाहुआकन और नाहुआला नगरपालिकाओं में 15 दिनों तक लागू रहेगा। एरेवालो ने शनिवार की घटनाओं के वीडियो और तस्वीरें दिखाईं, जिनमें सेना की वर्दी और बुलेटप्रूफ जैकेट पहने सशस्त्र लोग घातक हथियार लेकर एक व्यस्त मुख्य सड़क से कुछ ही मीटर की दूरी पर गोलीबारी करते देखे जा सकते हैं।

सिडनी आतंकी हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर 16 हुई

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें एक बच्चे सहित 16 लोगों की मौत हो गई। देश के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इसे यहूदी-विरोधी आतंकवाद का कृत्य बताया। अधिकारियों के अनुसार, हमलावर पिता और पुत्र थे। ऑस्ट्रेलिया के सबसे लोकप्रिय समुद्र तटों में से एक पर हुआ यह नरसंहार पिछले एक साल में देश में लगातार हुईं यहूदी-विरोधी घटनाओं के बाद सामने आया। हालांकि, अधिकारियों ने इन घटनाओं और रविवार की गोलीबारी के बीच कोई सीधा संबंध नहीं बताया। सख्त बंदूक कानूनों वाले इस देश में यह लगभग तीन दशकों में सबसे वीभत्स हमला था। न्यू साउथ वेल्स पुलिस आयुक्त माल लैनन ने बताया कि 50 वर्षीय एक हमलावर को पुलिस ने मार गिराया, जबकि उसका 24 वर्षीय बेटा घायल हुआ और अस्पताल में उसका उपचार हो रहा है। पुलिस ने कहा कि एक हमलावर सुरक्षा एजेंसियों के लिए जाना-पहचाना था, लेकिन किसी हमले की पूर्व योजना के संकेत नहीं मिले थे। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिंस ने बताया कि मृतकों की उम्र 10 से 87 वर्ष के बीच थी। सोमवार सुबह तक कम से कम 42 लोग अस्पतालों में भर्ती थे, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने कहा, ''जो हमने देखा वह पूरी तरह यहूदी-विरोधी आतंकवाद का कृत्य था।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ बोलना पड़ा भारी मशहूर मीडिया हस्ती जिम्मी लाई अदालत में दोषी

हांगकांग। हांगकांग की मशहूर मीडिया हस्ती रहे और चीन के मुखर आलोचक जिम्मी लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक ऐतिहासिक मामले में सोमवार को शहर की अदालत ने दोषी ठहराया। सरकार द्वारा नियुक्त तीन न्यायाधीशों ने 78 वर्षीय लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने और राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया।

हालांकि लाई ने खुद को निर्दोष बताया है। सजा के संबंध में फैसला बाद में सुनाया जाएगा। हांगकांग के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत लाई को आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। लाई (78) को चीन द्वारा लागू किए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अगस्त 2020 में गिरफ्तार किया गया था। यह कानून 2019 में हुए व्यापक सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बाद लागू किया गया था। हिरासत में बिताए गए पांच वर्षों के दौरान लाई को कई छोटे अपराधों में सजा सुनाई गई है। न्यायाधीश ने 855 पन्ने के फैसले को पढ़ते हुए, न्यायाधीश एस्थर तोह ने कहा कि लाई ने हांगकांग के लोगों की मदद करने के बहाने चीनी सरकार को गिराने में मदद के लिए अमेरिका को ₹लगातार न्योता₹ दिया था। तोह ने कहा कि अदालत इस बात से संतुष्ट है कि लाई ही साजिशों के मास्टरमाइंड थे। न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया कि सबूतों से एकमात्र सही नतीजा यह निकलता है कि सुरक्षा कानून से पहले और बाद में, लाई का एकमात्र इरादा चीन और हांगकांग के लोगों की कुर्बानी देकर भी सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी को गिराना था। उन्होंने फैसले में लिखा, ₹साजिशों और अलगाववादी प्रकाशनों का यही अंतिम लक्ष्य था।₹ सुनवाई के दौरान उपस्थित लोगों में लाई की पत्नी और पुत्र के साथ-साथ हांगकांग के रोमन कैथोलिक कार्डिनल जोसेफ जेन भी मौजूद थे। लाई पहले की तुलना में अधिक कमजोर और दुबले दिखाई देने लगे हैं। लाई के खिलाफ इस मुकदमे पर अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और राजनीतिक पर्यवेक्षकों की करीबी नजर रही है। लाई के खिलाफ फैसला बीजिंग के कूटनीतिक संबंधों की भी एक परीक्षा माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह मामला चीन के समक्ष उठाया है, जबकि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा कि उनकी सरकार ने ब्रिटिश नागरिक लाई की रिहाई सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी है।

अब बंद हो चुके लोकतंत्र समर्थक अखबार 'एप्पल डेली' के संस्थापक को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी शक्तियों से मिलीभगत की साजिश के दो आरोपों में दोषी ठहराया गया है। इसके अलावा उन पर राजद्रोहपूर्ण प्रकाशनों के वितरण की साजिश का एक आरोप भी साबित हुआ है। हांगकांग के व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत विदेशी शक्तियों से मिलीभगत का आरोप सिद्ध होने पर अपराध की प्रकृति और उसमें भूमिका के आधार पर तीन साल की कैद से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

चिली में राष्ट्रपति पद के चुनाव में धुर रूढ़िवादी उम्मीदवार की बड़ी जीत

सैंटियागो। चिली के राष्ट्रपति पद के चुनाव में धुर रूढ़िवादी उम्मीदवार जोस एंतोनियो कास्ट ने अपनी प्रतिद्वंद्वी एवं सत्तारूढ़ मध्य-वामपंथी गठबंधन की उम्मीदवार को शिकस्त देकर बड़ी जीत हासिल की। कास्ट की जीत ने देश में 35 वर्षों के लोकतंत्र के दौरान अब तक की सबसे दक्षिणपंथी सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। कास्ट को 58.2 प्रतिशत वोट मिले। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने बढ़ते अपराध पर सख्त कदम उठाने, लाखों अवैध प्रवासियों को देश से निर्वासित करने और कमजोर अर्थव्यवस्था को फिर से रफ्तार देने का वादा किया था, जिसे मतदाताओं का व्यापक समर्थन मिला। कास्ट की प्रतिद्वंद्वी एवं कम्युनिस्ट उम्मीदवार जेनेट जारा को 41.8 प्रतिशत वोट मिले। नतीजों की तस्वीर साफ होने के बाद जारा ने कास्ट को फोन कर अपनी हार स्वीकार की और उन्हें जीत के लिए बधाई दी। कास्ट की जीत की घोषणा के बाद उनके समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। वे सड़कों पर उतर आए, खुशी से झूमने लगे, उनके समर्थन में नारे लगाए और वाहनों के हॉर्न बजाए। मतदान समाप्त होने के दो घंटे से भी कम समय में कास्ट को विजयी घोषित कर दिया गया। उनके प्रचार अभियान के प्रवक्ता आर्तुरो स्कुएला ने कहा कि उनकी पार्टी चिली में जारी संकटों से निपटने की ''बड़ी जिम्मेदारी'' को लेकर गंभीर है।

नेपाल: अपदस्थ प्रधानमंत्री ओली की पार्टी मंगलवार को नए नेतृत्व का चुनाव करेगी

काठमांडू। नेपाल के अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अगुवाई वाली सीपीएन-यूएमएल मंगलवार को पार्टी की महाधिवेशन के दौरान अपने नये नेतृत्व का चयन करेगी। पार्टी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) का 11वां महाधिवेशन रविवार को यहां भृकुटीमंडप में बंद कमरे में शुरू हुआ। सूत्रों ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार को संपन्न हुई।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे से पांच बजे तक मतदान होगा, जिसके लिए पार्टी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल करेगी। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव में लगभग 2,260 पात्र पार्टी सदस्यों के अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की उम्मीद है। सीपीएन-यूएमएल के निवर्तमान अध्यक्ष ओली और वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर पोखरेल पार्टी के शीर्ष पद की दौड़ में शामिल हैं। ओली तीसरी बार पार्टी अध्यक्ष चुने जाने की कोशिशों में जुटे हैं। सीपीएन-यूएमएल की ओर से शनिवार को भक्तपुर जिले के सल्लघारी में आयोजित रैली में ओली ने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पार्टी सहयोगियों का समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि सितंबर में 'जेन जेड' समूह के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान यूएमएल के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद पार्टी एक गंभीर संकट का सामना कर रही है। सूत्रों के अनुसार, 'जेन जेड' समूह के आंदोलन के बाद पार्टी के भीतर शीर्ष नेतृत्व में बदलाव और केंद्रीय समिति सहित प्रमुख पदों पर युवाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देने की मांग जोर पकड़ने लगी है।

सफल मिशन के बाद भारत ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका में फील्ड अस्पताल का संचालन बंद किया

कोलंबो। चक्रवात से प्रभावित श्रीलंका में भारत द्वारा स्थापित फील्ड अस्पताल ने अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अपना संचालन बंद कर दिया है। यहां स्थित भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी।

मिशन की तरफ से रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ऑपरेशन 'सागर बंधु' के तहत भारतीय सेना की शत्रुजीत ब्रिगेड के 78 सदस्यीय एकीकृत टास्क फोर्स के साथ एक पूर्ण विकसित पैरा फील्ड अस्पताल दो दिसंबर को श्रीलंका के लिए एयरलिफ्ट किया गया और कैंडी के पास महियांगनाया में तैनात किया गया ताकि तत्काल चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

इसमें कहा गया है कि इस सुविधा में प्रतिदिन लगभग 1,000 से 1,200 रोगियों की देखभाल की गयी और अस्पताल आघात प्रबंधन सर्जरी सहित महत्वपूर्ण जीवन रक्षक चिकित्सा देखभाल प्रदान कर रहा था। विज्ञप्ति में कहा गया, "संचालन के दौरान, अस्पताल ने उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए, कुल 7,176 रोगियों का इलाज किया, 513 छोटी शल्य प्रक्रियाओं को अंजाम दिया और 14 बड़ी सर्जरी की गयीं, जिससे सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक में रोगियों को राहत और आराम मिला।" दूतावास की तरफ से बताया गया कि मिशन के सफल समापन के बाद, फील्ड अस्पताल ने महियांगनाया में अपना परिचालन समाप्त कर दिया और टीम रविवार को भारत लौट गई।